www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 05 | अंक – 89 | जौनपुर, सोमवार, 16 नवम्बर 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

अमेरिका में हिंदू मंदिर पर हमले की साजिश से भारत चिंतित

अमेरिका , (एजेंसी)। अमेरिका के इलिनॉय राज्य के ऑरोरा इलाके में एक हिंदू मंदिर को निशाना बनाकर सामूहिक गोलीबारी करने की कथित साजिश की खबरों पर भारत ने गहरी चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के आधिकारिक प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस कथित साजिश में हिंदू विरोधी और नस्लीय नफरत से जुड़े पहलुओं के साथ–साथ भारतीय मूल के लोगों के खिलाफ हिंसा की बातें सामने आना बेहद चिंताजनक है। मीडिया के सवालों के जवाब में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि भारत ने अमेरिकी कानून प्रवर्तन एजेंसियों की कार्रवाई पर ध्यान दिया है। इसमें संदिग्ध की गिरफ्तारी और हिरासत के साथ उसके खिलाफ लगाए गए आरोप भी शामिल हैं। रणधीर जायसवाल ने कहा कि यह घटना अमेरिका में नस्लीय शत्रुता और भारत विरोधी नफरत को लेकर बढ़ती चिंताओं को और गंभीर बनाती है। ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए अधिक सतर्कता, नफरत से प्रेरित हिंसा के प्रति जीरो टॉलरेंस और भारतीय समुदाय की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए निर्णायक कार्रवाई की जरूरत है। उन्होंने उम्मीद जताई कि अमेरिकी अधिकारी इस मामले की पूरी तरह जांच करेंगे, जिम्मेदार लोगों को न्याय के दायरे में लाएंगे और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे।

भारत के सामने नखरे दिखा रहा बांग्लादेश

बांग्लादेश , (एजेंसी)। बांग्लादेश भारत को रह रहकर नखरे दिखा रहा है। जहां एक तरफ बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान भारत के बुलावे के बाद भी दिल्ली आने से कतरा रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ढाका अब अपने उच्चायुक्त की नियुक्ति भी रोक रहा है। रिपोर्ट्स में यह खबर सामने आई है कि ढाका ने भारत में अपने नए उच्चायुक्त की नियुक्ति और टाल दी है। जानकारी के मुताबिक ढाका ने उच्चायुक्त के रूप में असद आलम सियाम के पदभार संभालने की योजना और उनके भारत दौरे को टाल दिया है। अब इस देरी से दोनों पड़ोसी देशों के द्विपक्षीय संबंधों की दिशा को लेकर नई चिंताएं खड़ी हो गई हैं। इकॉनमिक टाइम्स ने अपनी एक रिपोर्ट में राजनयिक सूत्रों के हवाले से बताया है कि सियाम के 8 नवंबर को विदेश सचिव का पदभार सौंपने के तुरंत बाद नई दिल्ली यात्रा की योजना बनाई गई थी। हालांकि, अब यह इंतजार बढ़ गया है। रिपोर्ट के मुताबिक अब वे इस महीने के अंत में भारत आ सकते हैं। हालांकि इसे लेकर आधिकारिक तौर पर कोई जानकारी नहीं दी गई है। इससे पहले बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान भी भारत का दौरा कई बार टाल चुके हैं। भारत ने पदभार संभालने के बाद रहमान को 2 बार दिल्ली का न्योता भेजा है लेकिन हर बार इसे ठुकरा दिया गया है।

सीएम योगी ने किया शुभारंभ, बोले- कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं से नहीं रहेगा वंचित



लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनगणना 2027 उत्तर प्रदेश के समग्र विकास की दिशा तय करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी। जनगणना से प्राप्त सटीक और प्रामाणिक आंकड़ों के आधार पर सरकार भविष्य की योजनाओं की ठोस कार्ययोजना तैयार कर सकेगी। इससे प्रशासन को योजनाओं को जमीनी स्तर पर प्रभावी ढंग से लागू करने में भी मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि अभी तक प्रदेश की अधिकांश विकास योजनाएं 2011 की जनगणना के आंकड़ों पर आधारित रही हैं। ऐसे में नई जनगणना के माध्यम से समाज के प्रत्येक वर्ग की वास्तविक सामाजिक, आर्थिक और जनसांख्यिकीय स्थिति का पता लगाना जरूरी है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को लखनऊ स्थित लोकभवन में जनगणना 2027 के तृतीय संस्करण का शुभारंभ किया। सीएम योगी ने कहा कि जिसके पास सही आंकड़े होंगे, वह उतनी ही प्रभावी ढंग से अपनी योजनाएं बना और लागू कर सकेगा। उत्तर प्रदेश देश का सबसे अधिक आबादी वाला राज्य है। भारत का हर छठा व्यक्ति यूपी में रहता है, जबकि दुनिया का हर 36वां व्यक्ति प्रदेश में निवास करता है। मुख्यमंत्री ने जनगणना में किसी भी व्यक्ति या समुदाय के छूटने को गंभीर विषय बताते हुए पूर्वी उत्तर प्रदेश के मुसहर समाज का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि समाज का यह सबसे विपन्न तबका लंबे समय तक बुनियादी सुविधाओं से वंचित रहा। उनके पास पक्के मकान तो दूर, झोपड़ी वाली जमीन का भी मालिकाना अधिकार नहीं था। कई परिवारों के पास राशन कार्ड और दूसरी सरकारी सुविधाएं तक नहीं थीं। यदि पिछली जनगणनाओं में उनकी वास्तविक स्थिति सामने आई होती तो वे पहले ही सरकारी योजनाओं के पात्र बन सकते थे। सीएम ने कहा कि उन्हें मुख्यमंत्री बनने के बाद इस समुदाय के लिए अलग से योजना बनानी पड़ी और फिर उन्हें सरकारी योजनाओं से संतृप्त किया गया। जनगणना में किसी पात्र व्यक्ति का नाम छूटने का अर्थ है ।

92 हजार से अधिक किसानों–शिक्षकों पर दर्ज 600 केस वापस

चेन्नई, (एजेंसी)। तमिलनाडु सरकार ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले 92 हजार से अधिक किसानों और शिक्षकों को बड़ी राहत दी है। सरकार ने इनके खिलाफ दर्ज 600 मामलों को वापस लेने के औपचारिक आदेश जारी कर दिए हैं। गृह, निषेध और आबकारी विभाग की ओर से सोमवार को जारी आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई। सरकार का यह फैसला तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय की ओर से विधानसभा में की गई घोषणा के बाद आया है। मुख्यमंत्री सी. जोसेफ विजय ने दो सितंबर 2026 को विधानसभा में नियम 110 के तहत घोषणा की थी। उन्होंने सदन को आश्वासन दिया था कि पिछली सरकारों के कार्यकाल में अपनी मांगों को लेकर शांतिपूर्ण प्रदर्शन करने वाले किसानों और शिक्षकों के खिलाफ दर्ज मामलों को वापस लिया जाएगा। मुख्यमंत्री के निर्देश के बाद अधिकारियों ने मई 2021 से अप्रैल 2026 के बीच दर्ज किए गए 600 मामलों की पहचान की। इसके बाद निर्धारित कानूनी प्रक्रियाओं और वैधानिक प्रावधानों के तहत इन मामलों की विस्तृत समीक्षा की गई। कानूनी समीक्षा पूरी होने के बाद अब आरोप वापस लेने के आदेश जारी कर दिए गए हैं। इससे इन मामलों में नामजद 92 हजार से अधिक किसानों और शिक्षकों को औपचारिक रूप से आरोपों से मुक्त कर दिया गया है।



बजट 2027–28 की तैयारी शुरू, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने अर्थशास्त्रियों के साथ की पहली बैठक

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को केंद्रीय बजट 2027–28 के लिए प्रमुख अर्थशास्त्रियों के साथ पहली बजट–पूर्व परामर्श बैठक की अध्यक्षता की। बैठक का उद्देश्य अगले वित्त वर्ष का बजट तैयार करने से पहले अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से सुझाव और विचार जुटाना है। बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव, मुख्य आर्थिक सलाहकार और विभाग के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।



यह बैठक सरकार की वार्षिक बजट–पूर्व परामर्श प्रक्रिया का हिस्सा है। इसके तहत आगामी बजट की प्राथमिकताओं और प्रस्तावों को तय करने में मदद के लिए अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों से सुझाव मांगे जाते हैं। अर्थशास्त्रियों के साथ हुई यह चर्चा बजट तैयार करने की प्रक्रिया के शुरुआती चरणों में से एक है। आने वाले समय में सरकार उद्योग जगत, ट्रेड यूनियनों, राज्य सरकारों और सामाजिक क्षेत्र के प्रतिनिधियों के साथ भी बैठकें करेगी। इन बैठकों के जरिए विभिन्न क्षेत्रों से जुड़े हितधारकों को देश की आर्थिक प्राथमिकताओं पर अपने विचार रखने और आगामी बजट में ध्यान दिए जाने वाले मुद्दों को सामने रखने का अवसर मिलता है। परामर्श बैठकों से मिले सुझावों के आधार पर वित्त मंत्रालय अर्थव्यवस्था से जुड़े अलग–अलग दृष्टिकोणों और अपेक्षाओं का आकलन करता है। अर्थशास्त्रियों, उद्योग प्रतिनिधियों और अन्य प्रतिभागियों से आर्थिक स्थिति तथा सरकार की वित्तीय योजनाओं को लेकर सुझाव लिए जाते हैं। पहली परामर्श बैठक के साथ ही सरकार ने बजट 2027–28 के लिए हितधारकों से सुझाव जुटाने की प्रक्रिया शुरू कर दी है।

छठ के अंतिम दिन घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़, पीएम मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को चार दिवसीय छठ महापर्व के अंतिम दिन देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने छठ पर्व को दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम बताया। सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ पूजा का समापन हो गया। इस अवसर पर देशभर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु छठ घाटों, नदियों और तालाबों के किनारे जुटे और अंतिम पूजा–अर्चना की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा, श्उदीयमान सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित करने के साथ आज महापर्व छठ का चार दिवसीय अनुष्ठान संपन्न हुआ।



प्रकृति को समर्पित इस दिव्य उत्सव में दृढ़ संकल्प और आध्यात्मिक साधना का अद्भुत संगम देखने को मिला। छठी मइया से विनती है कि वे सभी व्रतियों के साथ–साथ देशभर के मेरे परिवारजनों को अपना शुभाशीष प्रदान करें। छठ पूजा के सबसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों में उषा अर्घ्य शामिल है। इस पर्व में डूबते और उगते, दोनों सूर्य की उपासना की जाती है। शाम को दिया गया संध्या अर्घ्य अस्त होते सूर्य के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का प्रतीक है, जबकि अगले दिन सुबह उषा अर्घ्य के दौरान उगते सूर्य का स्वागत किया जाता है और उनकी ऊर्जा को नमन किया जाता है। सोमवार तड़के ही श्रद्धालु नदियों, तालाबों और अन्य जलाशयों के किनारे पहुंचने लगे थे। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के बाद छठी मइया की पूजा की गई और फिर व्रतियों ने पारंपरिक रीति–रिवाजों के अनुसार व्रत का पारण किया। इसी के साथ चार दिवसीय छठ महापर्व संपन्न हो गया। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, छठ के अंतिम दिन सूर्यदेव और छठी मइया की पूजा करना शुभ माना जाता है। मान्यता है कि इससे परिवार में सुख, समृद्धि और अच्छे स्वास्थ्य का आशीर्वाद मिलता है।

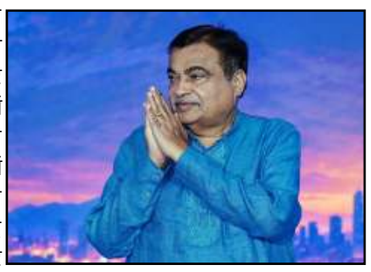
दिल्ली में श्रद्धा और उल्लास के साथ संपन्न हुई छठ पूजा, सीएम रेखा गुप्ता ने की छठी मैया से देश की खुशहाली की प्रार्थना

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राजधानी दिल्ली में चार दिवसीय महापर्व छठ पूजा का समापन आज सोमवार सुबह उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ उल्लासपूर्ण माहौल में हुआ। शहर के विभिन्न घाटों पर सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। व्रतियों ने पूरे विधि–विधान के साथ भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित किया और अपने परिवार की सुख–समृद्धि के लिए प्रार्थना की। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने भी छठ पूजा के आखिरी दिन अनुष्ठान किए और उगते सूर्य को 'अर्घ्य' दिया। इस अवसर पर उन्होंने छठी मैया से सभी के कल्याण की प्रार्थना की। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा, "मैंने मां छठी मैया से प्रार्थना की कि वे हम सभी पर अपना भरपूर आशीर्वाद बनाए रखें, ताकि हर किसी के परिवार में खुशहाली और समृद्धि आए, सभी अपने जीवन में आगे बढ़ें और तरक्की करें। साथ ही, हमारा देश भारत और यहाँ के सभी नागरिक हमेशा खुशी–खुशी आगे बढ़ें, अपना जीवन जिएं और अपने परिवारों के साथ एकजुट रहें।" उन्होंने आगे कहा, "एक तरफ जहां हम विकास की ओर आगे बढ़ेंगे, वहीं दूसरी तरफ हमें अपनी विरासत और परंपराओं को भी संजोकर रखना चाहिए। आज, मैं पूर्वांचल के अपने सभी भाइयों–बहनों से कहना चाहती हूं कि हमने यह सुनिश्चित करने की कोशिश की कि छठ का यह भव्य त्योहार पूरी श्रद्धा और धूमधाम से मनाया जाए। अगर हमसे कोई गलती या कमी रह गई हो, तो कृपया हमें क्षमा करें। अगली बार, मैं इससे भी बेहतर इंतजाम करने की कोशिश करूंगी। छठ पूजा के अंतिम दिन सुबह–सुबह आईटीओ छठ घाट समेत विभिन्न घाटों पर बड़ी संख्या में श्रद्धालु उगते सूर्य को अर्घ्य देने के लिए एकत्र हुए। व्रतियों ने कमर तक पानी में खड़े होकर सूर्य देव को अर्घ्य दिया। इस दौरान घाट पर छठ के पारंपरिक गीतों की गूंज सुनाई देती रही। पूरे वातावरण में भक्ति और आस्था की झलक देखने को मिली। एक श्रद्धालु ने कहा कि एक मां अपने पति और बच्चों के लिए प्रार्थना करती है और उनके लिए सब कुछ मांगती है, लेकिन अपने लिए वह कुछ नहीं मांगती। वह सिर्फ यही कामना करती है।



नितिन गडकरी राजनीति से लेने वाले हैं संन्यास तेज होती

नई दिल्ली, (एजेंसी) ।केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने राजनीति से संन्यास लेने की अटकलों को खारिज कर दिया है। उन्होंने ऐसी खबरों को गलत बताते हुए कहा कि उनके बयान का गलत मतलब निकाला गया। महाराष्ट्र के नागपुर में प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान गडकरी ने मजाकिया अंदाज में कहा, श्मैंने कहा कि अब मेरी उम्र बढ़ गई है, इसलिए ऐसे कार्यक्रमों में युवाओं को बुलाओ। लेकिन आप लोग खबर छाप देते हैं कि गडकरी रिटायर होने जा रहे हैं।श्दरअसल, हाल ही में नागपुर जिले के काटोल में लक्ष्मणराव मानकर ट्रस्ट के कार्यक्रम में गडकरी शामिल हुए थे। इस दौरान उन्होंने अपने सार्वजनिक जीवन के करीब तीन दशक के अनुभव और कोरोना के बाद स्वास्थ्य में आए बदलावों का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि अब वह पहले की तरह ज्यादा काम नहीं कर पाते और नई पीढ़ी को भी अवसर दिए जाने चाहिए। इसके बाद मीडिया रिपोर्ट्स और सोशल मीडिया पर उनके सक्रिय राजनीति से संन्यास लेने या केंद्रीय मंत्रिमंडल छोड़ने की अटकलें लगने लगी थीं।नागपुर में 17वीं एग्रोविजन कृषि प्रदर्शनी की घोषणा के मौके पर नितिन गडकरी ने इन अटकलों पर सफाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं को आगे लाने की बात का मतलब राजनीति छोड़ना नहीं है, बल्कि सामाजिक और कृषि से जुड़े कामों में नई पीढ़ी की भागीदारी बढ़ाना है। गडकरी ने कहा कि लंबे समय तक चलने वाली योजनाओं और संस्थाओं को आगे बढ़ाने के लिए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक अनुभव पहुंचाना जरूरी है।



छठ पर्व पर महिलाओं ने दिया सूर्य को अर्घ्य,सरयू घाट पर उमड़ा आस्था का सैलाब

अयोध्या।(DKU Live ब्यूरो चीफ) सुरेंद्र कुमार। रामनगरी अयोध्या में लोक आस्था का महापर्व छठ पूरी श्रद्धा और भक्ति के साथ मनाया गया। नया घाट, कच्चा घाट और गुप्तार घाट पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाएं पहुंचीं। व्रती महिलाओं ने सरयू नदी में खड़े होकर उगते सूर्यदेव को अर्घ्य अर्पित किया। सूर्यदेव को अर्घ्य देने के साथ ही चार दिवसीय छठ महापर्व का विधि–विधान से समापन हुआ। सरयू घाट से लेकर अन्य घाटों पर पर छठ महापर्व की विशेष छटा देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाओं ने फल, फूल और पूजन सामग्री से भरे सूप के साथ पूजा–अर्चना की। महिलाओं ने संतान की दीर्घायु और परिवार की सुख–समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। छठी मैया के पारंपरिक गीतों से सरयू के घाट भक्तिमय नजर आए, महिलाओं के साथ पुरुष श्रद्धालुओं की भी भारी भीड़ रही। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए सरयू नदी में एसडीआरएफ की टीम तैनात रही, जबकि घाटों पर पुलिस बल मुस्तैद रहा। उगते सूर्य को अर्घ्य देने के साथ व्रती महिलाओं ने 36 घंटे का निर्जला व्रत पूर्ण किया और छठी मैया से परिवार की मंगलकामना की।



सरयू तट, ठकुराइन का पोखरा सहित अन्य घाटों पर पर उमड़ा आस्था का सैलाब, सुरक्षा के रहे तगड़े इंतजाम

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।रामनगरी अयोध्या में लोक आस्था का महापर्व छठ धूमधाम और श्रद्धा के साथ मनाया जा रहा है। अयोध्या धाम के नया घाट, कच्चा घाट और गुप्तार घाट पर हजारों की संख्या में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ी। व्रती महिलाओं ने सरयू नदी के पावन तट पर पहुंचकर अस्ताचलगामी सूर्य को अर्घ्य दिया और छठी मैया की विधि–विधान से पूजा–अर्चना कर परिवार की सुख–समृद्धि एवं संतान की दीर्घायु की कामना की।गुप्तार घाट पर छठ महापर्व की विशेष छटा देखने को मिली। पारंपरिक वेशभूषा में सजी महिलाएं फल, फूल और पूजा सामग्री से भरे सूप लेकर घाटों पर पहुंचीं। सरयू तट पर महिलाओं के साथ बड़ी संख्या में पुरुष भी मौजूद रहे। छठी मैया के पारंपरिक गीतों और भक्तिमय वातावरण से पूरा घाट परिसर आस्था के रंग में सराबोर नजर आया।इसी क्रम में गोसाईगंज स्थित ठकुराइन का पोखरा घाट पर भी भारी संख्या में महिलाओं ने छठी मैया की पूजा–अर्चना कर डूबते सूर्य को अर्घ्य दिया। यहां भी छठी मैया के गीतों और भक्ति के माहौल ने पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया।छठ पर्व के मद्देनजर अयोध्या धाम के घाटों पर सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए थे।सरयू नदी के किनारे एसडीआरएफ की टीम तैनात रही,ताकि किसी भी आपात स्थिति से तत्काल निपटा जा सके।वहीं गोसाईगंज थाना क्षेत्र के ठकुराइन का पोखरा घाट पर महिला उप निरीक्षक चेतना पांडेय महिला सुरक्षा कर्मियों संजू, धीरज और पूजा के साथ मुस्तैद रहीं।पुलिसकर्मियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा एवं व्यवस्था पर लगातार नजर बनाए रखी।



संपादकीय

शतरंज में शानदार शतक

2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ी ग्रैंडमास्टर बने हैं। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चौंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। यह सचमुच गर्व की बात है।

दीपावली के दिन अनुज श्रीवात्री भारत के 100वें ग्रैंडमास्टर बने। ऐसी उपलब्धि हासिल करने वाला भारत चौथा देश बना है। अब सिर्फ रूस, अमेरिका, और जर्मनी ही के पास भारत से अधिक ग्रैंडमास्टर हैं। जर्मनी से भारत का फासला अब सिर्फ तीन ग्रैंडमास्टर्स का बचा है। शतरंज में भारत की यह अनूठी उपलब्धि है। इस यात्रा में भारत कितनी तेजी से आगे बढ़ रहा है, इसका अंदाजा इससे ही लगाया जा सकता है कि जहां पहले दस ग्रैंडमास्टर बनने में 15 साल लगे थे, वहीं पिछले दस ग्रैंडमास्टर सिर्फ एक साल में बने हैं। दरअसल, 2025 से 2026 में अब तक 15 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा हासिल कर लिया है। 1988 में विश्वनाथन आनंद पहले खिलाड़ी थे, जिन्होंने यह दर्जा हासिल किया। उन्हें आज भी वह प्रेरणा–स्रोत समझा जाता है, जिन्होंने भारतीय नौजवानों को विश्व स्तर पर सर्वोच्च पहचान बनाने का आत्म–विश्वास दिया। अब आत्म–विश्वास से भरे ऐसे खिलाड़ियों की एक पूरी फौज तैयार हो चुकी है। आनंद का विश्व चौंपियन बनना तब एक अद्भुत सफलता मालूम पड़ी थी, जबकि आज ऐसी कामयाबियां सामान्य अनुभव का हिस्सा बनने लगी हैं। यह विडंबना ही है कि हाल के वर्षों में हुई तेज प्रगति का एक प्रमुख कारण कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन को माना जाता है। शतरंज के मामले में उन मुसीबतजदा दिनों का प्रभाव बिल्कुल अलग रहा। ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर शतरंज की लोकप्रियता में तब भारी वृद्धि देखी गई। घरों में रह कर लाखों बच्चों और युवाओं ने ऑनलाइन शतरंज सीखा और खेला। इस डिजिटल बूम ने प्रतिभाओं निखारने में मदद की। इसका श्रेय भारतीय शतरंज संघ और निजी अकादमियों को भी दिया जाएगा, जिन्होंने महामारी के दौरान ऑनलाइन कोचिंग और वर्चुअल टूर्नामेंटों को बढ़ावा दिया। नतीजा, ये उपलब्धियां हैं। 2019 के बाद से 35 भारतीय खिलाड़ियों ने ग्रैंडमास्टर का दर्जा प्राप्त किया है। इस दौरान डी. गुकेश विश्व चौंपियन बने और भारत ने 2024 में शतरंज ओलिंपियाड में स्वर्ण पदक जीता। शरतंज में मुकाबला विकसित देशों के साथ होता है, इसलिए यह सचमुच गर्व की बात है कि भारत इसमें सुपरपॉवर बनने की दिशा में बढ़ रहा है।

दम के साथ सड़क पर उतरी भाजपा

एस. सुनील

सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओच पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। भारतीय जनता पार्टी दम दिखा रही है। कुछ लोगों को ऐसा लग रहा था कि भाजपा सत्ता में है और वह सड़क पर संघर्ष करना भूल गई है। वे यह भी संदेश बना रहे थे कि सड़क पर तो कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियों का नियंत्रण है। जून और जुलाई में जंतर मंतर पर हुए प्रदर्शन और केंद्रीय शिक्षा मंत्री के पद से धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे के बाद यह संदेश ज्यादा व्यापक हो गया था। कांग्रेस और पारंपरिक विपक्षी पार्टियों के साथ साथ सिविल सोसायटी भी सड़क पर दिख रही थी। उसकी प्रतिनिधि के तौर पर कॉकरोच जनता पार्टी प्रदर्शन कर रही थी। कहा जा रहा था कि युवा केंद्र सरकार और भारतीय जनता पार्टी से नाराज हैं। इससे एक विमर्श राष्ट्रीय स्तर पर बन रहा था। दिख भी रहा था कि भाजपा बैकफुट पर आई है, डिफेंसिव है और विपक्ष की ओर से तय किए गए नैरेटिव पर प्रतिक्रिया दे रही है। अब स्थिति पूरी तरह से बदल गई है। अब भाजपा प्रतिक्रिया नहीं दे रही है, बल्कि संसद के साथ साथ सड़क पर भी नियंत्रण हासिल कर रही है। इसमें कोई दो राय ही नहीं है कि चुनावी राजनीति में भाजपा बाकी पार्टियों से बहुत आगे है। लेकिन अब वह दिखा रही है कि प्रदर्शन की राजनीति में भी वह बाकियों से आगे है। असल में इलेक्टोरल पॉलिटिक्स बनाम प्रोटेस्ट पॉलिटिक्स का जो नैरेटिव बना था उसमें भाजपा ने अपनी पोजिशन रिक्लेम की है। अब वह विपक्ष को उसके अंदाज में जवाब दे रही है। कांग्रेस और कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन और कांग्रेस की रैली के बाद भाजपा अब जो कर रही है वह भाजपा का रिएक्शन नहीं है, बल्कि रिस्पांस है। इन दोनों में बहुत बारीक फर्क है। भाजपा पहले रिएक्ट कर रही थी, अब रिस्पांस दे रही है और भाजपा का रिस्पांस ऐसा है कि अब कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां बैकफुट पर हैं। सामान्य ढंग से प्रतिक्रिया देने की बजाय भाजपा पलटवार करने के रास्ते पर चल रही है और इसकी कमान संभाली है खुद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने। भाजपा पूरे देश में श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओच पदयात्रा कर रही है। तेलंगाना में अमित शाह खुद तिरंगा झंडा लेकर सड़क पर उतरे और पदयात्रा का नेतृत्व किया। उन्होंने इसके जरिए दो मैसेज दिए। पहला मैसेज बहुत बारीक है। उन्होंने कांग्रेस को वहां टारगेट किया, जहां उसे सबसे ज्यादा तकलीफ हो। साथ ही उन्होंने यह मैसेज दिया कि दक्षिण भारत में कर्नाटक के बाद तेलंगाना भाजपा की उम्मीदों का प्रदेश है। दूसरा मैसेज बहुत स्पष्ट था। अमित शाह ने कहा कि सरकार संसद का विशेष सत्र बुलाने के लिए तैयार है। वहां उन्होंने राहुल गांधी को बहस करने की चुनौती दी। इसके बाद भी जब राहुल गांधी संसद से बाहर ही बहस के लिए अड़े रहे तो अमित शाह ने हरियाणा की पदयात्रा में कहा कि भाजपा का कोई भी सामान्य कार्यकर्ता किसी भी चौराहे पर राहुल गांधी से बहस करने को तैयार है। इस तरह भाजपा ने संसद में और संसद के बाहर किसी भी सार्वजनिक जगह पर बहस का दांव चल दिया है। भाजपा ने श्लोकतंत्र बचाओ, अराजकता हटाओच पदयात्रा को आम जनता से भी जोड़ा। भाजपा ने यह मैसेज बनवाया कि कांग्रेस और दूसरी विपक्षी पार्टियां अराजकता के जरिए सत्ता परिवर्तन की बात कर रही हैं। यह सबसे महत्वपूर्ण बात है क्योंकि भारत के नागरिकों के मन में और भारतीय समाज में भी लोकतंत्र की जड़ें बहुत गहरीं हैं। कोई भी सामान्य मतदाता यह कतई नहीं चाहेगा कि अराजकता के जरिए या अलोकतांत्रिक तरीके से सत्ता परिवर्तन की बात हो। रही सही कसर कांग्रेस की सहयोगी पार्टियों और प्रदर्शन में शामिल लोगों ने पूरी कर दी। पहले सीपीआई एमएल की छात्र नेता नेहा बोरा ने कहा कि वे बांग्लादेश के प्रदर्शन से प्रेरणा लेती हैं। इसके बाद प्रशांत भूषण ने शरिजीम चेंजय की बात कही। अब झारखंड के कांग्रेस विधायक और हेमंत सोरेन सरकार में मंत्री इरफान अंसारी ने कहा है कि दिल्ली में 40 लाख छात्रों और युवाओं को राहुल गांधी ने रोक रखा है, अन्यथा वे सड़क पर उतर जाएंगे। उन्होंने यह भी दावा किया कि भारत के हालात बांग्लादेश और नेपाल से भी बदतर होंगे। सवाल है कि क्या भारत के आम लोग इस बात को स्वीकार करेंगे कि भारत के हालात नेपाल और बांग्लादेश से बदतर हो? कांग्रेस को इस पर जवाब देना होगा। यह भी बताना होगा कि क्या कांग्रेस और राहुल गांधी या पारंपरिक विपक्ष की दूसरी पार्टियां इस किस्म की बातों से सहमत हैं? भाजपा इन्हीं बातों को लेकर जनता के बीच जा रही है। जब वह अराजकता हटाओ की बात करती है तो उसका उद्देश्य यह बताना होता है कि दिल्ली में कैसे नवरात्रों, दशहरा और दिवाली जैसे बड़े हिंदू त्योहारों के बीच कांग्रेस और उसके प्रॉक्सी संगठनों ने दिल्ली को बंधक बना लिया। कैसे त्योहारों के बीच प्रदर्शन किए गए।

नौकरी से निकाले गए कर्मचारियों ने लिया बदला

नीरज

सेवाओं में आई तकनीकी गड़बड़ी ने एक बार फिर दुनिया को यह एहसास करा दिया है कि आधुनिक अर्थव्यवस्था किस हद तक कुछ बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों के सर्वर और डिजिटल नेटवर्क पर निर्भर हो चुकी है। ईमेल से लेकर ऑफिस के कामकाज, क्लाउड सेवाओं, ऑनलाइन मीटिंग और कारोबारी संचार तक, जब डपबतवेवजि की सेवाएं प्रभावित हुईं तो उसका असर किसी एक देश या कंपनी तक सीमित नहीं रहा। दुनिया के अलग–अलग हिस्सों में लाखों यूजर्स को परेशानी का सामना करना पड़ा। कई जगहों पर कंपनियों का कामकाज बाधित हुआ और डिजिटल माध्यमों पर निर्भर कारोबार की रफ्तार थम गई। इस व्यवधान की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दुनिया के 74 देशों और क्षेत्रों में सेवाओं को लेकर शिकायतें दर्ज हुईं। आउटेज पर नजर रखने वाले प्लेटफॉर्म पर दुनिया भर से 74 लाख से अधिक रिपोर्ट दर्ज की गईं। यह वास्तविक प्रभावित यूजर्स की संख्या नहीं है, बल्कि शिकायतों का आंकड़ा है। डपबतवेवजि 365 के करोड़ों उपयोगकर्ताओं के लिए ल्जसववा ईमेल सेवा सबसे बड़ी परेशानी बन गई। लोग अपने इनबॉक्स नहीं खोल पा रहे थे, ईमेल भेजने और प्राप्त करने में दिक्कत आ रही थी और कई संदेश घंटों की देरी से पहुंच रहे थे। ज्मंउे पर मीटिंग और बातचीत प्रभावित हुई, जबकि ब्चपसवज और अन्य क्लाउड आधारित सेवाओं तक पहुंचने में भी समस्याएं आईं। साथ ही इसका असर केवल दफ्तरों में बैठे कर्मचारियों तक सीमित नहीं था। अमेरिका में सरकारी संस्थानों और अमेरिकी संसद के कामकाज पर भी असर पड़ा। जापान और सिंगापुर की सरकारी व्यवस्थाओं में दिक्कतें सामने आईं। ऑस्ट्रेलिया की खुफिया एजेंसी और पुलिस व्यवस्था भी प्रभावित हुई। ब्रिटेन में अस्पतालों, पुलिस और स्वास्थ्य सेवाओं को वैकल्पिक व्यवस्था अपनानी पड़ी। कई डॉक्टरों और चिकित्सा केंद्रों ने मरीजों से ऑनलाइन संपर्क के बजाय फोन करने को कहा। भारत में जैसी विमानन कंपनियों की ईमेल सहायता सेवाएं प्रभावित हुईं। ग्राहकों को अपनी शिकायतें और जरूरी सूचनाएं भेजने में परेशानी हुई। इस तकनीकी संकट की सबसे बड़ी कीमत वैश्विक कारोबार को चुकानी पड़ सकती है। जब कंपनियों के ईमेल बंद हों, ऑनलाइन मीटिंग न हो सके, भुगतान और कारोबारी संचार में रुकावट आए तो नुकसान केवल कुछ घंटों की उत्पादकता का नहीं होता। वित्तीय संस्थानों, शेयर बाजारों, बीमा कंपनियों, शिपिंग और व्यापारिक प्रतिष्ठानों तक इसका असर पहुंचा। रिपोर्टों के मुताबिक, यूरोपीय एक्सचेंज ऑपरेटर कंपनियों के साथ संपर्क के लिए फोन का सहारा लेना पड़ा। शिपिंग कंपनी डंमतो ने ग्राहकों को जरूरी मामलों में फोन से संपर्क करने को कहा। ब्रिटिश बीमा कंपनी ।अपअं ने वैकल्पिक फोन नंबरों और दूसरे संचार माध्यमों का इस्तेमाल किया। ताइवान में एक वित्तीय कंपनी को ट्रेड की पुष्टि के लिए फैक्स तक का सहारा लेना पड़ा। अमेरिका की इलेक्ट्रिक वाहन को अपनी वित्तीय नतीजों से जुड़ी घोषणा टालनी पड़ी। हालांकि नुकसान का अंतिम वैश्विक आंकड़ा अभी सामने नहीं आया है। शुरुआती आकलनों में अरबों डॉलर की आर्थिक गतिविधियां प्रभावित होने की आशंका जताई गई। बीमा क्षेत्र के विश्लेषकों ने इस घटना से जुड़े संभावित बीमित नुकसान का अनुमान 30 से 50 करोड़ डॉलर के बीच लगाया है। वहीं कुछ छोटे कारोबारियों को एक दिन में 30 हजार डॉलर तक का नुकसान होने की खबरें सामने आईं। यानी यह केवल ईमेल सेवा बंद होने का मामला नहीं था, बल्कि वैश्विक अर्थव्यवस्था के कामकाज में पैदा हुई बड़ी रुकावट थी। की शुरुआती जानकारी के मुताबिक, उसके सर्वर अचानक अनुपलब्ध होने लगे। इससे बाकी चालू सर्वरों पर अतिरिक्त दबाव बढ़ गया। कंपनी ने पहले नेटवर्क कॉन्फिगरेशन में बदलाव और सर्वर क्षमता से जुड़ी समस्याओं की बात कही। बाद में 13 नवंबर को कंपनी ने स्पष्ट किया कि समस्या पहले किए गए नेटवर्क क्षमता विस्तार के दौरान पैदा हुई तकनीकी गड़बड़ी से जुड़ी थी, जो हालिया नेटवर्क बदलाव के बाद सामने आई। समस्या यह थी कि कुछ सर्वर उपलब्ध नहीं रहे और उनके हिस्से का ट्रैफिक दूसरे सर्वरों पर पहुंचने लगा। इससे दबाव बढ़ा और सुधार के लिए किए गए शुरुआती प्रयास भी उम्मीद के मुताबिक काम नहीं कर पाए। कुछ सर्वर दोबारा चालू किए जाने के बाद फिर से जवाब देने में असफल हो गए। यही वजह रही कि समस्या कुछ घंटों में खत्म होने के बजाय 24 घंटे से ज्यादा खिंच गई। कंपनी को चरणबद्ध तरीके से सेवाएं बहाल करनी पड़ीं। इस पूरे घटनाक्रम का एक और दिलचस्प और गंभीर पहलू सोशल मीडिया पर सामने आया। डपबतवेवजि में हाल के महीनों में बड़े पैमाने पर कर्मचारियों की छंटनी और पुनर्गठन की खबरें आई थीं। जुलाई में कंपनी ने हजारों कर्मचारियों की नौकरियां खत्म कीं और अक्टूबर में भी कर्मचारियों की



संख्या घटाने से जुड़ी खबरें सामने आईं। इसी पृष्ठभूमि में सवाल उठने लगे कि क्या अनुभवी कर्मचारियों की विदाई, लागत घटाने की नीति और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर बढ़ते भरोसे का इस तकनीकी संकट से कोई संबंध है? क्या नाराज कर्मचारियों ने किसी तरह की जानबूझकर गड़बड़ी की? साथ ही सोशल मीडिया पर साइबर हमले, चीन की कथित भूमिका और अनियंत्रित से लेकर कर्मचारियों की छंटनी तक को इस घटना से जोड़कर तरह–तरह के दावे किए गए। लेकिन इन दावों के समर्थन में कोई ठोस सबूत सामने नहीं आया। डपबतवेवजि ने स्पष्ट किया कि उसे किसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधि या साइबर हमले का संकेत नहीं मिला है। कंपनी ने यह भी कहा कि यह घटना एजेंट की वजह से नहीं हुई। छंटनी किए गए कर्मचारियों की किसी साजिश का भी कोई प्रमाण सामने नहीं आया। बहरहाल, इस पूरे घटनाक्रम ने एक कड़वी हकीकत सामने रख दी है। दुनिया की सबसे बड़ी टेक्नोलॉजी कंपनियों में शामिल डपबतवेवजि का एक नेटवर्क संबंधी संकट अमेरिका से लेकर एशिया और यूरोप तक सरकारी संस्थानों, अस्पतालों, विमानन कंपनियों और व्यापारिक प्रतिष्ठानों को प्रभावित कर सकता है। जिस डिजिटल व्यवस्था को दुनिया अपनी सबसे बड़ी ताकत मानकर चल रही है, उसी व्यवस्था का एक हिस्सा ठप होते ही करोड़ों लोगों का कामकाज प्रभावित हो गया। डपबतवेवजि ने सेवाओं में व्यापक सुधार की जानकारी दी और ग्राहकों से हुई परेशानी के लिए माफी भी मांगी, लेकिन इस घटना से पैदा हुए सवाल अभी खत्म नहीं हुए हैं।

जनजातीय विकास की दिशा में बढ़ते कदम



उमेश

भारतीय स्वाधीनता आंदोलन अगर कामयाब हुआ तो इसलिए कि उसमें देश के हर वर्ग और तबके ने हिस्सा लिया था। जिस जनजातीय समुदाय को लेकर धारणा रही है कि वह मुख्यधारा से दूर रहा है, उस समुदाय ने भी भारतीय स्वाधीनता आंदोलन में ना सिर्फ गहन भागीदारी की, बल्कि उसे अंजाम तक पहुंचाने में योगदान भी दिया। इसी समुदाय के थे बिरसा मुंडा, जिन्हें भगवान का दर्जा तक प्राप्त है। उनकी अगुआई में जनजातीय समुदाय ने स्वाधीनता का बिगुल फूंका था। स्वाधीनता आंदोलन में जनजातीय समुदाय की भागीदारी और उनके योगदान की स्मृति में केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 2021 में बिरसा मुंडा के जन्मदिन को जनजातीय गौरव दिवस के रूप में मनाने का फैसला लिया। इस लिहाज से इस बार छठवीं बार जनजातीय गौरव दिवस मनाया जा रहा है। जनजातीय गौरव दिवस के बहाने यह पड़ताल जरूरी है कि जनजातीय समुदाय को मुख्यधारा में लाने और उनके गांवों और घरों तक शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास की गति पहुंचाने के लिए क्या कुछ किया जा रहा है। इस संदर्भ में केंद्र की मोदी सरकार और छत्तीसगढ़ की विष्णुदेव साय की योजनाओं की ओर ध्यान जाना स्वाभाविक है। इसकी वजह भी है कि छत्तीसगढ़ सरकार ने कामकाज संभालने के बाद से ही जनजातीय विकास के लिए कई योजनाओं को ना सिर्फ शुरू कर रखा है, बल्कि उन्हें अंजाम तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रहा है। भगवान बिरसा मुंडा का जन्म सन् 1875 में झारखंड के रांची जिले के उलीहातू में हुआ था। बिरसा सिर्फ स्वाधीनता सेनानी ही नहीं, समाज सुधारक भी थे। बेहद कम उम्र में ही उन्होंने अंग्रेजों के अत्याचारों, भूमि छीने जाने, बेगारी आदि के विरुद्ध जनजातीय समुदायों को संगठित कर उलगुलान किया था। उलगुलान का अर्थ होता है, महान विद्रोह। सिर्फ 25 वर्ष की आयु में ही उन्होंने अपनी जिंदगी स्वाधीनता के नाम होम कर दी। इन्हीं बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती पिछले साल मनाई गई थी। बहरहाल हमें यह भी याद रखना होगा कि जनजातीय गौरव दिवस के अवसर पर जनजातीय समाज के दूसरी हस्तियों मसलन, शहीद वीर नारायण सिंह, शहीद गैंदा सिंह, वीर गुंडाधुर, ठाकुर रामप्रसाद पोर्ते, रानी दुर्गावती आदि को भी याद किया जाता है। छत्तीसगढ़ सरकार इस दिवस को ना सिर्फ याद करती रही है, बल्कि उनकी याद में कई सारे विकास कार्यक्रमों को भी आगे लेकर आई है। इसमें सबसे प्रमुख है, प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान यानी पीएम–जनमन योजना। इसे 15 नवंबर 2023 को तीन वर्ष के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुरू किया था। इस योजना के दायरे में देश के सभी आदिवासी समुदाय आते हैं। इसे स्वाधीन भारत के इतिहास की जनजातियों पर केंद्रित यह अब तक का सबसे बड़ा अभियान कहा जाना अतिशयोक्ति नहीं होगा। इस योजना में जनजातीय समुदाय के विकास से जुड़े नौ मंत्रालयों 11 महत्वपूर्ण गतिविधियां शामिल हैं। इसके तहत आवास, स्वच्छ पेयजल, बेहतर स्वास्थ्य देखभाल, सड़क एवं दूरसंचार कनेक्टिविटी के साथ–साथ स्थायी आजीविका के अवसर आदि की उपलब्धता तय की जा रही है। इस अभियान के तहत छत्तीसगढ़ के लिए भारत सरकार द्वारा घोषित पांच विशेष रूप से कमजोर जनजाति समूहों मसलन, बैगा, पहाड़ी कोरवा, कमार, अबूझमाड़िया एवं बिरहोर की बसाहटों का विकास किया जा रहा है, जिसमें 1545 ग्राम एवं 2365 छोटी बस्तियां शामिल हैं। इसके तहत राज्यम अब तक स्वीकृत 34,691 पक्के आवासों में से करीब 69 प्रतिशत यानी 24,218 आवास बनाए जा चुके हैं। इस योजना के तहत 2,901 किलोमीटर सड़कें बनाने को मंजूरी दी गई है, जिनमें से आधे से ज्यादा यानी करीब 1,833 किलोमीटर सड़क बनाई जा चुकी है। छत्तीसगढ़ ने राज्य के 7,349 जनजातीय परिवारों के घरों का विद्युतीकरण पूरा कर लिया है। राज्य में जनजातीय समुदायों के लिए 191 आंगनबाड़ी केंद्र स्वीकृत किए गए हैं और वे सारे कार्यरत हैं। इनमें से 187 के पास अपने भवन भी हैं। छत्तीसगढ़ सरकार से उपलब्ध कराए गए आंकड़ों के अनुसार 1425 जनजातीय गांवों के लिए पेयजल योजना मंजूर की गई थी, जिनमें से 510 में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित हो चुकी है। इसी तरह इन इलाकों के लिए 57 मेडिकल वैन संचालित किए जा रहे हैं। जिनके जरिए आदिवासियों के घरों तक अस्पताल पहुंच रहा है और छोटे रोगों का स्थानीय स्तर पर ही इलाज किया जा रहा है। राज्य के स्वीकृत सभी 16 वन अनुसंधान केंद्र भी पूरी तक काम कर रहे है। राज्य में जनजातीय समुदाय के छात्रों के लिए स्वीकृत चालीस छात्रावासों में से 29 में छात्र रहने लगे हैं, जिससे उन्हें सहूलियत हो रही है। राज्य में जनजातीय विकास के लिए 1719 कौशल विकास केंद्र स्वीकृत किए गए हैं, जिनमें 849 पूरी क्षमता के साथ चल रहे हैं, जहां आदिवासी समुदाय के बच्चों को स्थानीय स्तर पर कौशल विकास की दिशा में प्रशिक्षित किया जा रहा है। जनजातीय समुदाय के विकास की दिशा में एक और बड़ी योजना है, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान भी है। जिसे दो अक्टूबर 2024 को प्रधानमंत्री मोदी ने शुरू किया। हजारीबाग से शुरू इस योजना के तहत 30 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 549 जिलों में फैले 63,000 से अधिक जनजाति बहुल गांवों को शामिल किया गया है। जाहिर है कि इसमें छत्तीसगढ़ के जनजातीय बहुल जिलों के 6691 गांव शामिल हैं। इसमें 17 मंत्रालयों की 25 योजनाएं और गतिविधियां जैसे पक्के घर, जल आपूर्ति, घरों का विद्युतीकरण, नई सौर ऊर्जा योजना, मोबाइल चिकित्सा इकाइयां, आंगनबाड़ी केंद्रों की स्थापना, हॉस्टल, पोषण वाटिकाएं, एलपीजी कनेक्शन, भारतनेट, स्किल इंडिया मिशन, डिजिटल पहल, सतत कृषि को बढ़ावा, मछली पालन सहायता, वन अधिकार पत्र धारकों हेतु पशुधन पालन, वन अधिकार अधिनियम का क्रियान्वयन, च्ड। ळल; ट्राइबल होमस्टे आदि शामिल हैं। इसके साथ ही जनजातीय समुदाय के विकास के लिए राज्य में वन अधिकार अधिनियम को लागू किया जा चुका है। इसके साथ ही विशेष रूप से जनजातीय समुदाय के लिए उपयोजना बजट व्यवस्था लागू की गई है। इसके तहत छत्तीसगढ़ में साल 2023–24 में जहां 21,492 करोड़ 34 लाख रुपये आवंटित किए गए थे, वहीं साल 2026–27 के लिए 42,165 करोड़ 95 लाख 95 हजार रुपये। स्वीकृत किए गए थे। जाहिर है कि इन योजनाओं के जरिए छत्तीसगढ़ जहां जनजातीय समुदायों के गौरव को बढ़ावा देने की कोशिश कर रहा है, वहीं इस समुदाय के लोगों को यह संदेश देने की कवायद में जुटा हुआ है कि वे भी देश के वैसे ही नागरिक हैं, जैसे दूसरे लोग हैं।

भगवान बिरसा के बहाने जनजातियों के संघर्ष की याद

प्रो. संजय

भारतीय समाज की स्मृति बहुत अल्प है। अपने नायकों और उनके कामों को भूल जाना यहां बहुत आसान है। ऐसे ही नायक हैं–भगवान बिरसा मुंडा। जिन्हें हमने लगभग भुला सा दिया था। कुछ अरसे पहले झारखंड के इस अप्रतिम नायक की राष्ट्रीय स्तर पर शायद ही कोई स्मृति बनती हो। किंतु नए समय में जब भारत अपने सांस्कृतिक नायकों को खोजकर उनके बारे में पढ़ रहा है, तब उसमें बिरसा की याद बहुत स्वाभाविक और मार्मिक हो उठती है। इसी बीच भारत सरकार ने वर्ष 2021 में यह निर्णय लिया कि प्रत्येक वर्ष भगवान बिरसा मुंडा की जयंती को 'राष्ट्रीय जनजातीय गौरव दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। जाहिर है इसका उद्देश्य हमारे जनजातीय नायकों और जनजातीय समाज की समृद्ध कला, संस्कृति, बोलियों और परंपराओं को राष्ट्रीय स्तर पर रेखांकित करना तथा उनके त्याग–बलिदान को समाज के सामने लाना रहा। भगवान बिरसा मुंडा झारखंड के खूंटी जिले के एक गांव में जन्में। उनका बचपन प्रकृति की गोद में बीता। माटी से प्यार और प्रकृति का संरक्षण का पाठ उन्होंने अपनी संस्कृति से सीखा और जीवन में भी उतारा। अंग्रेजी राज में जनजातीय समाज की दुर्दशा, उनके दमन और स्थानीय साहूकारों द्वारा अपने समाज का शोषण देखकर उनकी आत्मा कांप उठी। अंग्रेजी राज की दमनकारी नीतियां उनके निशाने पर थीं। जनजातीय समाज की स्वायत्तता बची और बनी रहे इसी भाव से उनके मन में क्रांतिकारी विचार आए। इससे ही उलगुलान (महाविद्रोह) की भावभूमि बनी। 1899–1900 के दौरान भगवान बिरसा मुंडा के नेतृत्व में अंग्रेजी सरकार की दमनकारी नीतियों के विरोध में महान सशस्त्र विद्रोह हुआ, इसे ही इतिहास में उलगुलान के नाम से जाना गया। यह सिर्फ राजनीतिक विद्रोह नहीं था वरन जल,जंगल, जमीन पर जनजातियों के पारंपरिक अधिकारों की रक्षा के लिए शंखनाद भी था। इस आंदोलन ने सामाजिक कुरीतियों के उन्मूलन, एकता और सांस्कृतिक स्वायत्तता का भी आधार तैयार किया। अपने इन्हीं सार्थक प्रयासों के नाते भगवान बिरसा को धरती आबा (यानी धरती पिता) कहा गया। लोकमन में उनकी स्मृति इतनी सघन है कि वे तमाम युवाओं के आदर्श बन गए। संघर्ष के प्रतीक और अप्रतिम नायक तो बने ही। उलगुलान, निस्संदेह, एक विद्रोह से कहीं बढ़कर था। यह लड़ाई न्याय और सांस्कृतिक पहचान दोनों के लिए थी। भगवान बिरसा मुंडा की सूझबूझ ने एक ओर जनजातीय लोगों द्वारा बिना किसी हस्तक्षेप के अपनी जमीन पर स्वामित्व और खेती करने के अधिकार को, तो दूसरी तरफ जनजातीय रीति–रिवाजों और सामाजिक मूल्यों के महत्व को एक साथ जोड़ दिया। महात्मा गांधी की तरह, उनका संघर्ष भी न्याय और सत्य की खोज से प्रेरित था। जनजातीय समाज की मूल चेतना प्रकृतिजीवी है। प्रकृति का संरक्षण और प्रकृति से संवाद इस समाज की पहचान है। भारतीय चित्त के प्रकृति प्रेम को जनजातीय समाज ने अपने जीवन में उतारा है। अपने समाज के उत्थान, विकास, अधिकारों की रक्षा, उनके जीवन स्तर को सुधारने के लिए सिर्फ मुंडा समाज में ही नहीं बल्कि समूचे जनजातीय समाज में वे आदर प्राप्त कर सके। इस तरह वे जननायक ही नहीं बल्कि जीवन को बदलने वाले अवतार की तरह सामने आए। वे क्रांतिकारी हैं, समाज सुधारक हैं, प्रकृतिप्रेमी हैं,विद्रोही हैं। हर अवतार में पूर्ण। भगवान बिरसा की सोच साफ थी कि प्रकृति और वन संपदा पर जनजातीय समाज का पहला और अंतिम अधिकार है। अंग्रेजों द्वारा लाए गए वन कानूनों के माध्यम से जनजातियों को उनके ही मूल स्थान से बेदखल करने का उन्होंने ताजिंदगी विरोध किया। भगवान बिरसा के नेतृत्व में चले आंदोलनों का ही परिणाम था कि अंग्रेजी सरकार झुकी। इसके बाद उनकी शहादत रंग लाई और सरकार को छोटा नागपुर काश्तकारी अधिनियम (सीएनटी एक्ट,1908) लाना पड़ा। जिससे जनजातियों के अधिकार संरक्षित हुए। जनजातियों की जमीन का अवैध हस्तांतरण को रोकने के लिए यह कानून प्रभावी साबित हुए। यह कानून जनजातियों का सुरक्षा कवच बना। भगवान बिरसा एक चिकित्सक भी थे। उनके इस गुण पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने लिखा है– "बीमारों की सेवा करना उनके लिए मिशन था। उन्हें एक उपचारकर्ता का प्रशिक्षण मिला था, और अद्भुत घटनाओं की एक श्रृंखला ने लोगों में यह विश्वास पैदा किया कि ईश्वर ने उन्हें एक महान उपचारक का विशेष स्पर्श दिया है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि वे किसी भी बीमार व्यक्ति को उनके पास लाएं, और कहा, ष्यदि यह संभव नहीं है तो मैं खुद बीमारों से मिलने आऊंगा ष्वे गांव–गांव बीमारों से मिलने जाते थे, और अपने कौशल और अपने उपचार करने वाले स्पर्श से असंख्य लोगों को स्वस्थ कर देते थे।" भगवान बिरसा मुंडा के अलावा अन्य जनजातीय नायकों को भी हम इस दिन याद करते हुए उनकी पावन स्मृति से संबल प्राप्त करते हैं। इनमें तिलका मांझी, सिद्धू और कान्हू मूर्मू, वीर बद्धु भगत, टंट्या भील मामा, अल्लूरी सीताराम राजू, रानी गाडगिन्यू और वीरनारायण सिंह जैसे महान सेनानी शामिल हैं। इन सबने अपने देश और धर्म की रक्षा करते हुए अंग्रेजी शासन की नींव हिला दी।



जनजातीय नायकों की स्मृति संरक्षण के लिए अब देश भर में प्रयास हो रहे हैं। सरकारों द्वारा विभिन्न राज्यों में जनजातीय संग्रहालयों का निर्माण किया है। इन संग्रहालयों में जनजातीय संस्कृति, कलाकृतियों और स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान की गाथाओं को सहेज कर रखा गया है। मध्यप्रदेश सरकार के प्रयास भी इस दिशा में काफी सराहनीय हैं। जहां जनजातीय समाज को केंद्र में रखकर अनेक प्रयास हो रहे हैं। भारत सरकार कई राज्यों में जनजातीय स्वतंत्रता संग्राम सेनानी संग्रहालय स्थापित करने के साथ आदिवाणी और आदिसंस्कृति जैसे डिजिटल माध्यमों से जनजातीय बोलियों, कलाओं के सहेजने और संरक्षित करने का प्रयास भी कर रही है। जनजातीय गौरव दिवस मनाते समय हमें देखना है कि क्या हममें जनजातीय समाज के प्रति अपेक्षित संवेदना बची हुई है। भारत की सांस्कृतिक विविधता और प्रकृति के अनुकूल जीवन शैली का पाठ पढ़ाने वाला जनजातीय समाज हमारा गौरव है। हमें उनसे जीवन मूल्य सीखने की जरुरत है। उनकी पारंपरिक कलाओं, प्रदर्शन कलाओं, नृत्य, संगीत, हस्तशिल्प सब कुछ बहुत समृद्ध है। इन चर्चाओं के बीच आज भी जनजातीय समाज की चिंताएं कम नहीं हुई हैं। जनजातीय समाज के बीच गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, कुपोषण तथा स्वास्थ्य संबंधी कई चिंताएं आज भी बनी हुई हैं। फिर उनके विकास योजनाओं के कारण हो रहे उनके विस्थापन की पीड़ा तो है ही। इसलिए विस्थापन को रोकने, ग्राम सभाओं को मजबूत बनाने के साथ पांचवीं और छठीं अनूसूची के अनुसार मिलने वाले संवैधानिक अधिकारों को प्रदान करने के मुद्दे तो सामने हैं ।

आलमबाग में कलात्रम क्रिएशन्स के भव्य शोरूम का शुभारंभ, /1 में सिलाई की विशेष योजना बनी आकर्षण का केंद्र



ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के आलमबाग क्षेत्र में प्रीमियम फैब्रिक्स एवं कस्टम टेलरिंग के प्रतिष्ठित प्रतिष्ठान कलात्रम क्रिएशन्स के नए भव्य शोरूम का शुभारंभ हर्षोल्लास एवं उत्साहपूर्ण वातावरण में प्रतिष्ठान के स्वामी, गौरव द्विवेदी के कर–कमलों द्वारा किया गया। इस शुभ अवसर पर गुड्डू त्रिपाठी (पूर्व एमएलसी), हॉलिडे इन के स्वामी, अवस्थी जी, उन्नाव के युवा नेता सनी भैया, हेल्थ स्कूल के संस्थापक उत्तम शुक्ल , युवा नेता मनोज सिंह चौहान, हरीश सहित अनेक गणमान्य अतिथियों एवं सम्मानित सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति रही। सभी अतिथियों ने प्रतिष्ठान के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए गौरव द्विवेदी को शुभकामनाएं एवं बधाई दी। इस अवसर पर प्रतिष्ठान के स्वामी, गौरव द्विवेदी द्वारा ग्राहकों के लिए एक विशेष आकर्षक योजना की शुरुआत की गई। योजना के अंतर्गत उद्घाटन दिवस पर कलात्रम क्रिएशन्स से पैंट, शर्ट अथवा कुर्ते का कपड़ा खरीदने वाले ग्राहकों के लिए उसकी सिलाई मात्र ध1 रखी गई। इस अनूठी पहल को ग्राहकों का भरपूर उत्साह एवं सराहना मिली और बड़ी संख्या में लोगों ने इस योजना का लाभ उठाया। गौरव द्विवेदी ने बताया कि उनका उद्देश्य केवल उच्च गुणवत्ता के कपड़े एवं बेहतर सिलाई सुविधा उपलब्ध कराना ही नहीं, बल्कि समय–समय पर ऐसी आकर्षक योजनाओं के माध्यम से ग्राहकों को लाभ पहुंचाना भी है। भविष्य में भी प्रतिष्ठान द्वारा इस प्रकार की जनहितकारी एवं ग्राहक हितैषी योजनाएं जारी रखी जाएंगी। उल्लेखनीय है कि कलात्रम क्रिएशन्स के एलडीए कॉलोनी एवं महानगर स्थित शोरूम को मिली सफलता के बाद अब आलमबाग में नए शोरूम की शुरुआत की गई है। इस नए प्रतिष्ठान के खुलने से क्षेत्रवासियों को प्रीमियम फैब्रिक्स, विभिन्न प्रतिष्ठित ब्रांडों के कपड़े एवं कस्टम टेलरिंग की बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी। कार्यक्रम का समापन सभी अतिथियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए किया गया।

सामाजिक समरसता के संदेश के साथ मनाया गया अखिल भारतीय अधिकार संगठन का स्थापना दिवस

कर्तव्य ही जीवन में अधिकारों की आत्मा है, समरसता से ही स्थापित होगा गरिमापूर्ण समाज

आर एल पाण्डेय

लखनऊ। समाज में अधिकारों की चर्चा तो अक्सर होती है, लेकिन उन अधिकारों को वास्तविक अर्थों में जीवंत बनाने के लिए कर्तव्यों की अनुभूति भी उतनी ही आवश्यक है। वास्तव में कर्तव्य ही जीवन में अधिकारों की आत्मा है और जब व्यक्ति अपने कर्तव्यों के प्रति सजग होता है, तभी समाज में प्रत्येक व्यक्ति के लिए गरिमापूर्ण जीवन की स्थापना संभव हो पाती है। इसी वैचारिक प्रतिबद्धता और सामाजिक समरसता के संदेश के साथ अखिल भारतीय अधिकार संगठन का स्थापना दिवस लखनऊ के सरोसा, केशवपुरम स्थित श्री वेंकटेश्वर महादेव मंदिर परिसर में उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर संगठन द्वारा विशाल तहरी भोज का आयोजन किया गया, जिसमें राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सहित समाज के विभिन्न वर्गों, विचारधाराओं और सामाजिक पृष्ठभूमियों से जुड़े लोगों को आमंत्रित किया गया। आयोजन का उद्देश्य केवल एक सामूहिक भोज करना नहीं था, बल्कि समाज के बीच व्याप्त जातिगत और सामाजिक दूरियों को समाप्त करने तथा एक–दूसरे के प्रति सम्मान, सहयोग और आत्मीयता का वातावरण निर्मित करने का संदेश देना था। बिना किसी जाति, वर्ग अथवा सामाजिक भेदभाव के आयोजित इस तहरी भोज ने इस विचार को साकार करने का प्रयास किया कि भोजन की एक थाली में बैठने से अधिक महत्वपूर्ण है मनुष्य का मनुष्य के प्रति सम्मान का भाव। कार्यक्रम में बच्चों को राष्ट्र की अखंडता, अस्मिता और गौरव से जोड़ने के लिए सामान्य ज्ञान प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन भी किया गया। इसमें बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। विभिन्न प्रश्नों के माध्यम से उन्हें भारत के इतिहास, राष्ट्रीय पहचान, सांस्कृतिक विरासत और देश के गौरवशाली पक्षों से परिचित कराने का प्रयास किया गया। प्रतियोगिता में सफल प्रतिभागियों सहित बच्चों को पुरस्कार वितरित किए गए। इस पहल के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि सामाजिक समरसता की नींव केवल वर्तमान पीढ़ी के व्यवहार में ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी के संस्कारों और राष्ट्रीय चेतना में भी रखी जानी चाहिए। कार्यक्रम में संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. आलोक चांटिया 'रजनीश' ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारत की वास्तविक शक्ति उसकी विविधता में निहित एकता है। यदि हम राष्ट्र की अस्मिता, गौरव और सम्मान की बात करते हैं, तो हमें अपने सामाजिक व्यवहार में जातिगत भेदभाव से ऊपर उठना होगा। अधिकारों की स्थापना केवल कानूनों और संवैधानिक प्रावधानों से नहीं, बल्कि समाज के प्रत्येक व्यक्ति को सम्मान देने की मानसिकता से होती है। उन्होंने कहा कि संगठन का उद्देश्य अधिकारों की चेतना को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है और सामाजिक समरसता इस दिशा में एक महत्वपूर्ण आधार है। श्री संदीप कुमार सिंह 'सनी ठाकुर' ने अपने विचार रखते हुए कहा कि राष्ट्र के प्रति प्रेम केवल नारों और अभिव्यक्तियों तक सीमित नहीं रहना चाहिए। इसका वास्तविक स्वरूप हमारे सामाजिक व्यवहार में दिखाई देना चाहिए। जब हम एक–दूसरे को जाति और वर्ग के आधार पर देखने के बजाय मनुष्य के रूप में स्वीकार करेंगे, तभी राष्ट्रीय एकता का भाव मजबूत होगा। सामाजिक समरसता के लिए आवश्यक है कि हम अपने व्यक्तिगत और सामाजिक जीवन में समानता तथा परस्पर सम्मान को स्थान दें। डॉ. संदीप कुमार सिंह ने कहा कि समाज की मजबूती तभी संभव है जब विभिन्न सामाजिक समूहों के बीच संवाद और सहभागिता बढ़े। किसी भी राष्ट्र की उन्नति के लिए सामाजिक विश्वास आवश्यक है। ऐसे आयोजन लोगों को एक–दूसरे के निकट लाने और सामाजिक दूरियों को कम करने का माध्यम बनते हैं। हमें आने वाली पीढ़ी को ऐसा वातावरण देना होगा, जहां व्यक्ति की पहचान उसकी जाति से नहीं, बल्कि उसके मानवीय गुणों और योगदान से हो। श्री संदीप कुमार मिश्रा ने अपने विचारों में इस बात पर जोर दिया कि सामाजिक समरसता केवल एक आयोजन का विषय नहीं, बल्कि निरंतर चलने वाली सामाजिक प्रक्रिया है। जब तक समाज का प्रत्येक व्यक्ति दूसरे व्यक्ति के सुख–दुःख और सम्मान को अपना विषय नहीं मानेगा, तब तक समानता की परिकल्पना अधूरी रहेगी। उन्होंने ऐसे आयोजनों को सामाजिक एकता और आपसी सहयोग की दिशा में सार्थक प्रयास बताया। डॉ. विष्णु प्रताप ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक पहचान सदैव से सहअस्तित्व, सहभागिता और सामूहिकता पर आधारित रही है। हमें अपनी परंपराओं के उन मानवीय पक्षों को मजबूत करना चाहिए जो समाज को जोड़ते हैं। राष्ट्र की अखंडता केवल भौगोलिक सीमाओं की सुरक्षा से नहीं, बल्कि नागरिकों के बीच भावनात्मक एकता और पारस्परिक विश्वास से भी सुनिश्चित होती है। अधिवक्ता शशांक उपाध्याय ने अपने विचार व्यक्त करते हुए कहा कि भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता, स्वतंत्रता और गरिमा के साथ जीवन जीने का अधिकार प्रदान करता है। इन संवैधानिक मूल्यों को वास्तविक जीवन में उतारने के लिए सामाजिक स्तर पर भी समानता का व्यवहार आवश्यक है। कानून भेदभाव को रोकने का आधार देता है, लेकिन समाज को स्वयं भी भेदभाव से मुक्त होने का संकल्प लेना होगा। श्री राकेश जी ने कहा कि समाज में एकता और भाईचारे को मजबूत करने के लिए ऐसे कार्यक्रमों की निरंतर आवश्यकता है। जब विभिन्न वर्गों के लोग एक साथ बैठते हैं, विचार साझा करते हैं और बिना किसी भेदभाव के भोजन करते हैं, तो आपसी विश्वास का नया वातावरण बनता है। सामाजिक समरसता का संदेश तभी सार्थक होगा जब वह हमारे दैनिक जीवन का हिस्सा बनेगा। कार्यक्रम का आयोजन श्री अभिषेक कुमार गुप्ता, श्री अभिनव गुप्ता (पारुल), श्री अंकुल गुप्ता (गोलू), श्री अरविंद द्विवेदी, श्री उमेश जी, श्री शीश द्विवेदी एवं श्री अनुज शुक्ला द्वारा सामूहिक रूप से किया गया। सभी आयोजकों ने सहभागिता करने वाले अतिथियों और उपस्थित लोगों के प्रति आभार व्यक्त किया। अखिल भारतीय अधिकार संगठन का यह स्थापना दिवस केवल संगठन की स्थापना की स्मृति का अवसर नहीं रहा, बल्कि समाज को जोड़ने, बच्चों में राष्ट्रीय चेतना विकसित करने और जातिगत सीमाओं से ऊपर उठकर मानवीय संबंधों को मजबूत करने का एक सार्थक प्रयास भी बना। आयोजन ने यह संदेश दिया कि राष्ट्र का गौरव केवल अतीत की उपलब्धियों में नहीं, बल्कि वर्तमान में हमारे द्वारा निर्मित सामाजिक संबंधों में भी दिखाई देना चाहिए। क्योंकि जब कर्तव्य की बी सीवी भावना अधिकारों को सम्मान देती है, जब समानता व्यवहार में उतरती है और जब मनुष्य मनुष्य के साथ बिना किसी भेदभाव के बैठता है, तभी सामाजिक समरसता का वास्तविक अध्याय लिखा जाता है।



मोबाइल टावर पर चढ़कर शादी करने वाले प्रेमी युगल गिरफ्तार, सार्वजनिक व्यवस्था बाधित करने का आरोप

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में बरसठी थाना क्षेत्र के बारीगांव में मोबाइल टावर पर चढ़कर शादी करने वाले प्रेमी युगल को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सोमवार को चालान न्यायालय भेज दिया। गौरतलब है कि रविवार सुबह नेहा गौतम अपने प्रेमी अभिजीत गौतम से शादी करने की जिद पर मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी। इस घटना के बाद मौके पर भारी भीड़ जुट गई थी। इसके चलते बंधवा–जमालापुर मार्ग पर कई घंटे तक आवागमन बाधित रहा। वहीं, मोबाइल नेटवर्क सेवा भी करीब पांच से छह घंटे तक प्रभावित हुई थी। पुलिस और प्रशासन को दोनों को नीचे उतारने के लिए काफी मशक्कत करनी पड़ी थी। करीब चार घंटे बाद टावर पर ही दोनों की शादी कराई गई, जिसके बाद युवती नीचे उतरी थी। क्षेत्राधिकारी मड़ियाहूं गोल्डी गुप्ता ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि दोनों ने स्वजन पर दबाव बनाने, आत्महत्या की धमकी देकर प्रशासन को डराने तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति और प्रसिद्धि पाने के लिए सुनियोजित तरीके से यह घटनाक्रम किया था। इस कृत्य से आमजन को परेशानी हुई और सार्वजनिक आवागमन के साथ मोबाइल नेटवर्क सेवा भी बाधित हुई। इसी के चलते दोनों को गिरफ्तार कर उनके विरुद्ध विधिक कार्रवाई की गई है। थानाध्यक्ष जयप्रकाश यादव ने बताया कि दोनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर सोमवार को न्यायालय भेज दिया गया है।

पान में नशीला पदार्थ देकर से लूट का आरोप

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति को पान खिलाने के बहाने नशीला पदार्थ देकर लूटने का आरोप लगा है। आरोप है कि बेहोशी की हालत में उसका दो मोबाइल फोन और 22 हजार रुपये लेकर युवक फरार हो गया।पीड़ित ने पुलिस को प्रार्थनापत्र देकर नामजद आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की मांग की है। सुजानगंज थाना क्षेत्र के खुजीडीह गांव निवासी कृष्णा राव ने पुलिस को दिए तहरीर में बताया कि वह शनिवार को मुंबई से राजगीर ट्रेन से प्रयागराज के छिवकी स्टेशन पहुंचे थे। वहां से मुंगराबादशाहपुर आए और थाने के सामने खड़े थे। इसी दौरान एक अज्ञात व्यक्ति उनके पास आया और फोन लगाने के लिए कहा।उन्होंने अपने मोबाइल से उसे फोन मिला दिया। बातचीत के बाद उस व्यक्ति ने उन्हें नई बाजार छोड़ने की बात कही। वह उसे लेकर चका गोविंदासपुर पहुंचा। वहां पान खाने के बहाने कथित तौर पर नशीला पदार्थ खिला दिया जिससे वह बेहोश हो गए। इस दौरान उनका सैमसंग और वीवो कंपनी का मोबाइल फोन तथा 22 हजार रुपये लेकर आरोपी फरार हो गया।होश आने पर वह जनपद प्रतापगढ़ के सुवंसा जगतपुर मोड़ पर पड़े मिले। कृष्णा राव का कहना है कि उन्हें पता चला कि घटना में प्रयागराज के बहरिया थाना क्षेत्र के शैफखानपुर उर्फ चिल्हाराय निवासी राजेश कुमार गौतम का हाथ है। उन्होंने उसकी बाइक का नंबर भी पुलिस को बताया है।इस बाबत थानाध्यक्ष गजानंद चौबे का कहना है कि तहरीर मिली है प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

पंच दिवसीय योग प्रशिक्षण का समापन

जौनपुर तिलकधारी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में शिक्षक शिक्षा विभाग द्वारा बी. एड.एवं एम. एड. विद्यार्थियों के शारीरिक एवं मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित पंचदिवसीय योग प्रशिक्षण का समापन महाविद्यालय के शिक्षा भवन परिसर में सम्पन्न हुआ। जिसमे सैकड़ों की संख्या में छात्र–छात्राओं,ने योगाभ्यास किया। मुख्य अतिथि महाविद्यालय प्रबंध समिति के अध्यक्ष प्रोफेसर श्री प्रकाश सिंह ने कहा कि योग हमारी सनातन जीवनचार्य का एक अमूल्य हिस्सा है इसे हमें पूर्ण मनोयोग के साथ प्रतिदिन करना चाहिए तथा स्वस्थ शरीर मे ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता है।योग प्रशिक्षक डॉ0 अचल हरिमूर्ति, राज यादव, जगदीश ने छात्र छात्राओं को अनुलोम–विलोम, पद्मासन, कपालभाति, भ्रामरी प्राणायाम, ताड़ासन, भुजंगासन , सूर्य नमस्कार और ध्यान (मेडिटेशन) का अभ्यास कराया। प्रशिक्षकों ने प्रत्येक आसन के शारीरिक और मानसिक लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि आधुनिक भागदौड़ भरी जीवनशैली में तनाव, चिंता और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों से बचने के लिए योग सबसे प्रभावी माध्यम है।

तेज आवाज में बजाने पर 24 डीजे सीज

जौनपुर। जनपद में ध्वनि प्रदूषण पर अंकुश लगाने और शासन द्वारा निर्धारित ध्वनि मानकों का पालन सुनिश्चित कराने के लिए पुलिस ने व्यापक अभियान चलाया। इस दौरान नियमों का उल्लंघन करने वाले कुल 24 डीजे को सीज किया गया। पुलिस के अनुसार निर्धारित ध्वनि सीमा से अधिक आवाज में डीजे बजाने से आमजन के स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। तेज ध्वनि के कारण सुनने की क्षमता प्रभावित होने के साथ मानसिक तनाव, सिरदर्द और नींद में बाधा जैसी समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं।इसके अलावा बच्चों की पढ़ाई, बुजुर्गों और बीमार व्यक्तियों को भी तेज आवाज से परेशानी होती है।

टावर पर चढ़ने वाली युवती और प्रेमी गिरफ्तार

जौनपुर। बरसठी थाना क्षेत्र के बारीगांव हनुमानगर में मोबाइल टावर पर चढ़कर आत्महत्या की धमकी देने के मामले में पुलिस ने युवती नेहा गौतम और उसके प्रेमी अभिजीत कुमार गौतम को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर चालान न्यायालय भेज दिया। पुलिस के अनुसार, 15 नवंबर 2026 को बारीगांव हनुमानगर में युवती मोबाइल टावर पर चढ़ गई थी। उसने नीचे उतरने के बजाय आत्महत्या करने की धमकी देकर मौके पर अफरा–तफरी का माहौल पैदा कर दिया था। इस दौरान समाज में अशांति उत्पन्न करने, लोक व्यवस्था और यातायात बाधित करने तथा मोबाइल टावर की आपूर्ति रोकने की धमकी देने का आरोप है।पुलिस का कहना है कि युवती और उसके प्रेमी ने मौके पर मौजूद शासन–प्रशासन के अधिकारियों एवं कर्मचारियों पर अनुचित कार्य करने का दबाव बनाया तथा सरकारी कार्य में बाधा उत्पन्न की।

गोमती किनारे चला गीत गायकों के सूरों का जादू..

उदयाचल सूर्य को अर्घ्य के साथ दो दिवसीय छठ महोत्सव का समापन

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। लोक आस्था के महापर्व छठ के अवसर पर गोमती घाट पर आयोजित छठ महोत्सव का समापन उदयाचल गामी भगवान भास्कर को अर्घ्य के साथ हुआ। भोजपुरी विकास मंच एवं छठ पूजा आयोजन समिति की ओर से भामाशाह नमामि गंगे गोमती घाट पर आयोजित छठ महोत्सव में गीत गायकों ने उदयाचल सूर्य को अर्घ्य दे रही व्रती महिलाओं एवं उनके परिजनों को अपनी सधी हुई गायकी से बांधे रखा। भोजपुरी विकास मंच एवं छठ पूजा समिति द्वारा नमामि गंगे (भामा शाह)

गोमती घाट पर आयोजित दो दिवसीय छठ महोत्सव में गायक कलाकारों के छठ गीतों से गोमती घाट गूंज उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि नवनिर्वाचित राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर, कुलपति प्रो.आर एन त्रिपाठी, भाजपा जिला अध्यक्ष अजीत प्रजापति,अनुराग सिंह, विकेश उपाध्याय, विनीत सेठ, सुधांशु सिंह , डॉ सुलोचना मौर्या ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया । महोत्सव के संयोजक राजकुमार सिंह (पत्रकार) , गौतम गुप्ता, सह संयोजक राहुल सिंह, स्वागताकांक्षी भाजपा नेता इंजी. कृष्ण कुमार जायसवाल ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। देवी गीत गायक अवधेश पाठक, विवेक मिश्रा वरदान ,गुलाब राही, विकास रागी, राहुल पाठक और सविता पाठक, चिंटू सरगम, सविता गुंजन, श्वेता , प्रियांशी , श्रेयांस तिवारी, बृजेश दूबे, अभिषेक मयंक,राजेंद्र सिंह राज, कुसुम सोनकर, मितुल माहिया व बिंदु यादव छठ गीतों की शानदार प्रस्तुति से । संगीत घराने से जुड़े सूर्य प्रकाश मिश्र बल्ला गुरु और उनके नन्हें पुत्रों द्वारा तबला वादन ने लोगों की खूब तालियां बटोरी। सभी कलाकारों को मुख्य अतिथि राज्यसभा सांसद विद्यासागर सोनकर, ज्ञान प्रकाश सिंह , जगद्गुरु श्री रामभद्राचार्य दिव्यांग विश्वविद्यालय चित्रकूट के कुलपति प्रो. आर एन त्रिपाठी ने कलाकारों को माल्यार्पण के पश्चात स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। भोजपुरी विकास मंच की ओर से कार्यक्रम के संयोजक राजकुमार सिंह, स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता, सह संयोजक राहुल सिंह, वरिष्ठ भाजपा नेता नीरज सिंह, भूपेंद्र सिंह, सुधांशु सिंह, रोहित सिंह भारद्वाज, संजय सिंह, वीरेंद्र सिंह, नीलमणि सिंह, अजय सिंह मास्टर, आदित्य निकुंभ, आलोक गुप्ता, प्रमोद सिंह, बृजेश मौर्या, डॉ अंजना सिंह, उर्वशी सिंह, बीना सिंह, शशिबाला सिंह आदि ने अतिथियों का माल्यार्पण कर स्वागत और स्मृति चिन्ह भेंट किया। इस मौके पर विद्या भारती के कंचन सिंह, वरिष्ठ पत्रकार कैलाश सिंह, डॉ राकेश कुमार सिंह, आदि का भी सम्मान किया गया। छठ महोत्सव के दूसरे दिन सोमवार की सुबह संगीत घराने के सूर्य प्रकाश मिश्र बल्ला गुरु ने राग भैरवी से शुभारंभ किया। इसके पश्चात सुर संग्राम के उप विजेता हरिओम तिवारी, आशीष पाठक अमृत,विकास सिंह रागी, विवेक वरदान मिश्रा, अभिषेक मयंक , गुलाब राही, बिंदु यादव, बृजेश दूबे आदि गायकों ने एक से एक गीत प्रस्तुत कर लोगों को मंत्रमुग्ध कर दिया। 7 साल की छोटी बच्ची आराध्या सिंह ने अंश हनुमान फिल्म का धार्मिक गीत प्रस्तुत कर खूब तालियां बटोरी। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि नगर पालिका परिषद के पूर्व अध्यक्ष दिनेश टंडन, श्री दुर्गा पूजा महा समिति के संरक्षक निखिलेश सिंह, सोमेश्वर केसरवानी, अपना दल के महा सचिव पप्पू माली, भाजपा नेता सुधांशु सिंह, सपा एमएलसी के प्रतिनिधि सुशील श्रीवास्तव फार्मासिस्ट जिला अस्पताल संजय सिंह व गुलाब यादव ने गायक कलाकारों को अंगवस्त्रम ,पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इंजीनियर कृष्ण कुमार जायसवाल, गौतम गुप्ता, और राजकुमार सिंह ने पत्रकार अजय पांडेय, अखिलेश सिंह, आनंद सिंह , दीपक श्रीवास्तव, वंदेश सिंह, अमित निगम, रोहित चौबे, सूरज जायसवाल आदि को अंग वस्त्रम देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर अनेक विशिष्टजन एवं जिले के सभी गायक कलाकार उपस्थित रहे। कार्यक्रम संयोजक राजकुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार जताया। कार्यक्रम का संचालन डॉ हर्षित गुप्ता ने किया।



उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रती महिलाओं ने किया छठ व्रत का पारण, घाटों पर उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। उत्तर प्रदेश के जौनपुर में लोक आस्था का महापर्व डाला छठ सोमवार को धूमधाम और श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। गोमती नदी के पावन तट सहित जिले के विभिन्न घाटों पर हजारों की संख्या में व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं ने उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत का पारण किया। सुबह होते ही शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक छठ घाटों पर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। जिले के प्रमुख छठ घाटों गोपी घाट, अचला घाट, हनुमान घाट, बीबीपुर घाट और बेलाव घाट पर भोर से ही व्रती महिलाओं और श्रद्धालुओं का पहुंचना शुरू हो गया था। महिलाओं ने विधि–विधान से भगवान सूर्य को अर्घ्य अर्पित कर परिवार की सुख–समृद्धि और संतान की दीर्घायु की कामना की। घाटों पर छठ के पारंपरिक लोकगीतों और भक्ति गीतों से वातावरण भक्तिमय बना रहा। अर्घ्य देने के लिए व्रती महिलाओं ने रात में ही पूजा की तैयारियां पूरी कर ली थीं। पूजा की थालियों में फल, सुथनी, केला, अमरूद, नारियल, ठेकुआ और चिउड़ा सहित अन्य पूजन सामग्री सजाई गई थी। तीन दिनों तक चलने वाले इस कठिन व्रत में महिलाओं ने खरना के बाद निर्जला उपवास रखा और उगते सूर्य को अर्घ्य देकर व्रत पूरा किया। मान्यता है कि छठ पर्व में भगवान सूर्य और माता षष्ठी की उपासना करने से परिवार में सुख–समृद्धि आती है तथा संतान की लंबी उम्र और खुशहाली का आशीर्वाद प्राप्त होता है। श्रद्धालुओं की सुविधा और सुरक्षा को देखते हुए प्रशासन की ओर से प्रमुख घाटों पर व्यवस्थाएं की गई थीं। पुलिसकर्मी भी सुरक्षा व्यवस्था में तैनात रहे। इस दौरान व्रती महिलाओं ने छठी मइया के पारंपरिक गीत गाकर अपनी आस्था प्रकट की। क्षेत्राधिकारी नगर सम्यक चौधरी ने घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लिया और श्रद्धालुओं से शांतिपूर्ण ढंग से पर्व मनाने की अपील की।



परिक्रमा मेले को लेकर उच्चाधिकारियों ने सुरक्षा और व्यवस्थाओं को लेकर दिये सख्त निर्देश



(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददात)

अयोध्या।14 कोसी एवं पंचकोसी परिक्रमा और कार्तिक पूर्णिमा मेला को सकुशल संपन्न कराने के लिए सोमवार को पुलिस लाइन में अपर पुलिस महानिदेशक लखनऊ जोन प्रवीण कुमार, मंडलायुक्त राजेश कुमार, डीआईजी सोमेन वर्मा,जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी एवं एसएसपी गौरव ग्रोवर ने सुपर जोनल, जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों के साथ संयुक्त ब्रीफिंग की।इस मौके पर अधिकारियों ने निर्देश दिया कि सभी अधिकारी समय से ड्यूटी स्थल पर पहुंचकर एंबुलेंस, स्वास्थ्य शिविर, खोया–पाया केंद्र, पेयजल और बैरिकेडिंग की व्यवस्थाओं का निरीक्षण करें। रेलवे क्रॉसिंग, संकरे रास्तों और संवेदनशील स्थानों पर विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।जिलाधिकारी ने पिछली परिक्रमा की कमियों से सबक लेकर सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त रखने तथा ड्यूटी प्वाइंट पर प्रतिस्थानी के पहुंचने तक तैनात अधिकारी को स्थान न छोड़ने की हिदायत दी।वहीं एसएसपी ने धार्मिक स्थलों और रेलवे क्रॉसिंग पर विशेष निगरानी रखने तथा पीए सिस्टम से लगातार श्रद्धालुओं को आवश्यक जानकारियां देने के निर्देश दिए।मेले को बेहतर ढंग से संचालित करने के लिए विभिन्न जोन और सेक्टर बनाए गए हैं।अधिकारियों ने श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुविधा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मेला सकुशल संपन्न कराने का आह्वान किया।

रुदौली में पशुआरोग्य मेले का आयोजन,विधायक रामचंद्र यादव ने पशुपालकों को किया जागरूक

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।पशुपालन विभाग की ओर से रुदौली क्षेत्र में पंडित दीनदयाल उपाध्याय पशु आरोग्य मेला एवं शिविर का आयोजन किया गया।कार्यक्रम मे विधायक रुदौली रामचंद्र यादव की अध्यक्षता में आयोजित शिविर में बड़ी संख्या में पशुपालकों ने सहभागिता की।इस दौरान विधायक रामचंद्र यादव ने पशुपालकों को संबोधित करते हुए कहा कि पशुधन का स्वस्थ रहना ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के साथ ही पशुपालकों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। उन्होंने पशुपालकों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ उठाने की अपील की।शिविर में पशुओं का स्वास्थ्य परीक्षण, बीमारियों की रोकथाम, आवश्यक उपचार, टीकाकरण, कृत्रिम गर्भाधान तथा संतुलित पशु आहार के संबंध में



जानकारी दी गई। साथ ही आधुनिक एवं वैज्ञानिक तरीके से पशुपालन करने के लिए पशुपालकों को जागरूक किया गया।कार्यक्रम में मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. इंद्रदेव, उप मुख्य पशुचिकित्साधिकारी रुदौली डॉ. अनुराग यादव, डॉ. मनोज कुमार, डॉ. कुंदन सिंह, डॉ. ज्ञानेश वर्मा, डॉ. मुकेश कन्नौजिया, चेयरमैन शीतला प्रसाद शुक्ला, मंडल अध्यक्ष राकेश तिवारी, मंडल महामंत्री उमाशंकर सहित क्षेत्र के अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे। मुख्य पशुचिकित्साधिकारी डॉ. इंद्रदेव ने सभी जनप्रतिनिधियों एवं पशुपालकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि पशुधन का स्वास्थ्य संरक्षण, पशुपालकों की आय में वृद्धि और ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सुदृढ़ करना विभाग की प्राथमिकता है।शिविर सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

अलग अलग हादसों में युवती समेत दो की मौत,दो घायल

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।जनपद के अलग अलग थाना क्षेत्रों में रविवार को हुए सड़क हादसों में एक युवती समेत दो की मौत हो गई। जबकि दो घायलों को उपचार के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।जिला अस्पताल प्रशासन ने पोस्टमार्टम और मृतक की शिनाख्त के लिए मेमो नगर कोतवाली पुलिस को भिजवाया है।बताया कि रायबरेली हाईवे पर हुए हादसे में इनायतनगर थाना क्षेत्र के निमडी गांव निवासी 20 वर्षीय युवती प्रीती पुत्री शिवराम गंभीर रूप से घायल हो गई। उसको दूसरी पहर उसके भाई जसवंत ने जिला अस्पताल पहुंचाया तो इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात चिकित्सक ने परीक्षण के बाद उसको मृत घोषित कर दिया। शव को मोर्चरी भिजवाने की तैयारी चल ही रही थी कि परिजन शव को लेकर चले गए। इस आशय का मेमो नगर कोतवाली पुलिस को भिजवाया गया है।वहीं इसी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे में घायल इनायतनगर थाना क्षेत्र के अछौरा पूरे गोकुला तिवारी निवासी 32 वर्षीय अरविंद तिवारी पुत्र सभादीन को डाक्टर ने इलाज के लिए भर्ती किया है। इसको एनएचएआई के ईएमटी आलोक चौहान ने जिला अस्पताल पहुंचाया था।इधर कैंट थाना क्षेत्र में नियावां रोड पर एक 45 वर्षीय शख्स अचेत अवस्था में रोड पर पड़ा मिला है। सूचना पर एंबुलेंस के ईएमटी उदय प्रताप ने उसको 12रू05 बजे जिला चिकित्सालय पहुंचाया तो इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर ने परीक्षण के बाद उसको मृत घोषित कर बॉडी को मोर्चरी में रखवा मेमो नगर कोतवाली पुलिस को भिजवाया है।उधर नगर कोतवाली क्षेत्र में ही बुलेट की टक्कर से एक छात्रा आराध्य शुक्ला गंभीर रूप से घायल हो गई । वह मोदहा पर स्थित आदर्श इंटर कॉलेज से प्रोग्राम देख वापस अपने घर आ रही थी।इमरजेंसी ड्यूटी कर रहे डॉक्टर विशाल चौधरी ने बताया कि छात्रा को सर में खून जमा होने और हाथ में फैक्चर की शिकायत थी। प्राथमिक उपचार के बाद परिजन उसको निजी अस्पताल ले गए हैं।

तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक सवार महिला को कुचला, मौत हुई

गोरखपुर, संवाददाता। बांसगांव थाना क्षेत्र के डिघवा में बृहस्पतिवार अपराह्न करीब तीन बजे तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार 30 वर्षीय पिंकी की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में उसके साथ मौजूद एक वर्षीय बच्चा अभिनव घायल हो गया। घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने ट्रेलर को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया और कौड़ीराम–बांसगांव मार्ग पर बांस–बल्ली लगाकर जाम लगा दिया। करीब तीन घंटे तक आवागमन बाधित रहा।



हादसे में पिंकी की मौके पर ही हो गई मौत

जानकारी के अनुसार, बांसगांव थाना क्षेत्र के लालपुर निवासी ओमप्रकाश यादव की पुत्री पिंकी अपने मामा के साथ बाइक से बाजार करने कौड़ीराम जा रही थी। डिघवा के पास बांसगांव की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आ गई। हादसे में पिंकी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि एक वर्षीय अभिनव घायल हो गया। हादसे के बाद ग्रामीणों ने ट्रेलर को पुलिस को सौंप दिया। इसके बाद बच्चे के भरण–पोषण की व्यवस्था और चालक की गिरफ्तारी की मांग को लेकर सड़क जाम कर दिया। करीब तीन घंटे तक चले प्रदर्शन के दौरान दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतार लग गई। सूचना पर पहुंचे उपजिलाधिकारी बांसगांव मलखान सिंह और क्षेत्राधिकारी अनुज कुमार सिंह ने ग्रामीणों को समझाकर शांत कराया। अधिकारियों के समझाने के बाद जाम समाप्त हुआ। पुलिस ने महिला के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मार्ग पर आवागमन बहाल होने के बाद राहगीरों ने राहत की सांस ली।

अयोध्या में आईएमए ने धूमधाम से मनाया दीपावली उत्सव,डॉक्टरों ने किया रामलीला का मंचन

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। अयोध्या में इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए)की ओर से दीपावली सेलिब्रेशन कार्यक्रम का आयोजन किया गया।आईएमए अयोध्या के अध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव के निर्देशन में आयोजित इस कार्यक्रम में शहर के जाने–माने चिकित्सकों ने न सिर्फ दीपावली का उत्सव मनाया,बल्कि रामलीला का मंचन कर भगवान श्रीराम के आदर्शों और मर्यादा का संदेश भी दिया।कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण डॉक्टरों द्वारा प्रस्तुत रामलीला रही।इसमें डॉ. एस.के. पाठक ने भगवान श्रीराम, श्रीमती उमा पाठक ने माता सीता, डॉ. संजय पांडेय ने भरत, डॉ. एस.एम. द्विवेदी ने लक्ष्मण, डॉ. धर्मेंद्र ने शत्रुघ्न ,डॉ. राकेश राय ने हनुमान और तौकीर अहमद ने रावण की भूमिका निभाई। वहीं श्रीमती सुधा, श्रीमती सिम्मी और श्रीमती उषा ने सखी–सहेली की भूमिका में अपनी



प्रस्तुति दी।इस दौरान बच्चों ने भी रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया। अयांश, युवान, अदुतिये, दृशान, नैरा और दिग्विता ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।वहीं संगीत की प्रस्तुतियों में डॉ. रूपमा दास, डॉ. वी.के. गुप्ता, डॉ. गरिमा ,पूनम यादव और डॉ. राकेश तिवारी ने गीतों के माध्यम से कार्यक्रम में चार चांद लगा दिए।कार्यक्रम का संचालन डॉ. शालिनी चौहान और डॉ. आकांक्षा चौधरी ने किया। इस अवसर पर आईएमए अध्यक्ष डॉ. आशीष श्रीवास्तव ने सभी अतिथियों और उपस्थित लोगों का स्वागत एवं अभिनंदन किया।इस आयोजन ने चिकित्सकों को अपनी व्यस्त दिनचर्या से समय निकालकर परिवार के साथ त्योहार मनाने और सांस्कृतिक परंपराओं से जुड़ने का अवसर दिया।पूरे कार्यक्रम में उत्साह और उल्लास का माहौल देखने को मिला।

भाजपा किसान मोर्चा अवध क्षेत्र के आईटी सेल के सह संयोजक बने बबलू मिश्रा

(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या।भाजपा किसान मोर्चा अवध क्षेत्र अवध क्षेत्र आईटी सेल के क्षेत्रीय सहसंयोजक के पद पर नियुक्त भारतीय जनता पार्टी के सरकार से नियुक्त पार्षद कार्य समिति सदस्य सुशील कुमार मिश्रा उर्फ बबलू मिश्रा के भारतीय जनता पार्टी में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। इस खबर को सुनते ही उनके समर्थकों ने उनको शुभकामना देने मे जुट गये।संगठन के कर्मठ सक्रिय एवं जुझारू और संगठन के प्रति निष्ठावान कार्यो के मिला ईनाम संगठन को मजबूती प्रदान करेगा।उनके पार्टी में सम्मानजनक मनोनयन पर अयोध्या के लोकप्रिय निवर्तमान सांसद लल्लू सिंह ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि उनके मनोनयन से संगठन को सक्रियता और मजबूती प्रदान करेगा।वहीं पर उनके इस मनो नयन पर अयोध्या विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने संगठन के निष्ठा के प्रति समर्पित श्री मिश्रा को बधाई देते हुए खुशी जाहिर किया है। बबलू मिश्रा के पार्टी में पद मिलने से उनके इष्ट मित्र पत्रकार अधिवक्ता एवं समाज के लोगों ने खुशी जाहिर करते हुए भारतीय जनता पार्टी के संगठन के इस निर्णय का स्वागत किया है।श्री मिश्र ने अपने मनोनेनायान पर संगठन के जिला अध्यक्ष राधेश्याम त्यागी क्षेत्रीय अध्यक्ष अवधेश द्विवेदी और क्षेत्रीय उपाध्यक्ष अवधेश पांडे बादल महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव एवं प्रदेश अध्यक्ष एवं जिला पदाधिकारियो के प्रति आभार व्यक्त किया है और संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए निष्ठा से कार्य करने का अपना संकल्प दोहरायाहै।

पटाखे की चिंगारी के विवाद में घायल लोहार की मौत

गोरखपुर, संवाददाता। शाहपुर क्षेत्र के श्रीराम चौराहे पर दिवाली के दूसरे दिन पटाखे की चिंगारी को लेकर हुए विवाद में मारपीट के दौरान गंभीर रूप से घायल लोहार युवक जयकरन विश्वकर्मा (24) की बृहस्पतिवार देर रात मेडिकल कॉलेज में मौत हो गई। चार दिन तक चले इलाज के बाद शुक्रवार सुबह मौत की खबर मिलते ही परिजनों और स्थानीय लोगों में आक्रोश फैल गया। बड़ी संख्या में लोग श्रीराम चौराहे पर जुट गए और फातिमा बाईपास जाम करने की कोशिश की। सूचना पर पहुंची शाहपुर पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया। इसके बाद यातायात सामान्य हो सका। जानकारी के मुताबिक, पिपराइच क्षेत्र के बिस्मिल्लाह गांव निवासी जयकरन विश्वकर्मा फातिमा बाईपास स्थित श्रीराम चौराहे के पास झोपड़ी डालकर परिवार के साथ लोहे का काम करता था। सोमवार रात करीब नौ बजे जंगल सालिकराम के श्रीराम चौराहा निवासी धनुष चंद निषाद के परिवार के लोग घर के सामने पटाखे फोड़ रहे थे। पास में प्लास्टिक रखी होने के कारण आग लगने की आशंका जताते हुए जयकरन ने पटाखे फोड़ने से मना किया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में कहासुनी हो गई।इसके बाद जयकरन अपने कमरे पर चला गया। आरोप है कि कुछ देर बाद धनुष चंद अपने रिश्तेदारों के साथ उसके क्वार्टर पर पहुंचा और उसे कमरे से खींचकर बाहर ले आया। आरोपियों ने चारपाई की पटिया और रॉड से उसकी पिटाई की। उसे करीब 100 मीटर दूर स्थित दुकान तक पीटते हुए ले गए, जहां गंभीर चोट लगने से वह अचेत हो गया। इसके बाद आरोपी मौके से फरार हो गए। परिजनों ने जयकरन को मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया था।

पुलिस ने हत्या के प्रयास का केस दर्ज किया था

जयकरन के भाई उमेश विश्वकर्मा की तहरीर पर पुलिस ने हत्या के प्रयास का मुकदमा दर्ज किया था। मुख्य आरोपी धनुष चंद निषाद को मंगलवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया था। जयकरन की मौत के बाद अब मुकदमे में हत्या की धारा बढ़ाई जाएगी। परिजन ने घटना के पीछे पुरानी रंजिश होने का भी आरोप लगाया है। उनका कहना है कि जयकरन के पिता स्वर्गीय चौथी करीब तीन साल पहले धनुष चंद के मकान में किराये पर रहते थे। लगभग एक साल पहले उनकी मौत हो गई थी। इसी दौरान धनुष चंद द्वारा जयकरन की बहन पर गलत नजर रखने को लेकर विवाद हुआ था। इस संबंध में पुलिस से शिकायत भी की गई थी।

सड़क सुरक्षा नियमों का पालन कर दुर्घटनाओं से बचें - वेद प्रकाश गुप्ता



(राजन तिवारी सिटी रिपोर्टर)

अयोध्या। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए सोमवार को ड्राइविंग ट्रेनिंग एंड टेस्टिंग इंस्टीट्यूट (डीटीटीआई), उदया चौराहा में सड़क सुरक्षा पखवाड़े का शुभारंभ विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने किया।16 से 30 नवंबर तक चलने वाले अभियान में यातायात नियमों के प्रति लोगों को जागरूक करने के साथ नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। इस अवसर पर विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने कहा कि सड़क सुरक्षा सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों की अनदेखी से होने वाली दुर्घटनाओं में कई परिवार प्रभावित होते हैं। वाहन चलाते समय हेलमेट और सीट बेल्ट का प्रयोग, निर्धारित गति सीमा का पालन तथा गलत दिशा में वाहन चलाने से परहेज जरूरी है। उन्होंने कहा कि जागरूकता और अनुशासित वाहन संचालन से सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाई जा सकती है। युवाओं को यातायात नियमों के प्रति विशेष रूप से जागरूक करने की आवश्यकता है।पुलिस अधीक्षक यातायात सुधीर कुमार जायसवाल ने बताया कि नवंबर माह में यातायात सड़क सुरक्षा माह भी मनाया जा रहा है। उन्होंने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट और चारपहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट का प्रयोग करने की अपील की। कार्यक्रम में विधायक ने अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों को यातायात नियमों के पालन की शपथ दिलाई।इसके बाद जागरूकता वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

पखवाड़े के दौरान स्टंट ड्राइविंग, ओवरस्पीडिंग, बिना हेलमेट और सीट बेल्ट वाहन चलाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन के प्रयोग पर कार्रवाई होगी। बिना एचएसआरपी और शीशों पर काली फिल्म लगे वाहनों के विरुद्ध भी प्रवर्तन किया जाएगा।इसके साथ ही अवैध बस, टैक्सी और ई–रिक्शा स्टैंड हटाने की कार्रवाई होगी। कार्यक्रम में उप परिवहन आयुक्त राजकुमार सिंह, एआरटीओ प्रशासन डॉ. आरपी सिंह, एआरटीओ प्रवर्तन गुलाब चंद्र सहित परिवहन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे।

13 साल बाद भी नहीं हो सकी परिषदीय शिक्षकों की पदोन्नति

प्रयागराज, संवाददाता। वर्षों बाद परिषदीय स्कूलों (कक्षा एक से आठवीं तक) के शिक्षकों की पदोन्नति की प्रक्रिया शुरू तो हुई लेकिन अफसरों की लापरवाही की भेंट चढ़ गई। उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से सभी बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को निर्देश दिए गए थे कि सात नवंबर तक प्रक्रिया पूरी करनी है। बावजूद इसके प्रदेश के किसी भी जिले में पदोन्नति की प्रक्रिया नहीं पूरी हो सकी। वरिष्ठता व पात्रता सूची भी अब तक तैयार नहीं हो सकी है। इससे शिक्षकों में नाराजगी भी दिखने लगी है। प्रदेश के परिषदीय स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों की पदोन्नति तकरीबन 13 वर्षों से नहीं हुई। मामला कोर्ट तक पहुंचा। परिषद के सचिव सुरेंद्र कुमार तिवारी ने 16 अक्तूबर को पत्र जारी कर वरिष्ठता सूची व पदोन्नति तैयार करने के निर्देश दिए थे। स्थिति यह है कि कुछ गिने–चुने जिलों को छोड़कर बाकी किसी भी जिले के बीएसए ने यह विवरण उपलब्ध नहीं कराया है। इस पदोन्नति के लिए टीईटी उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। इसका विरोध कर रहे शिक्षकों का कहना है भर्ती के लिए टीईटी अनिवार्य करना ठीक है लेकिन पदोन्नति में यह गलत है। परिषद की ओर से बताया गया है कि प्राथमिक स्तर की टीईटी उत्तीर्ण करने वाले सहायक अध्यापकों को प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक के पद पर पदोन्नत किया जाएगा। जिन सहायक अध्यापकों ने प्राथमिक और उच्च प्राथमिक दोनों स्तरों का टीईटी उत्तीर्ण किया है, उन्हें प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय या सहायक अध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय के पद पर पदोन्नति मिलेगी। उच्च प्राथमिक स्तर का टीईटी उत्तीर्ण सहायक अध्यापक और प्राथमिक स्तर का प्रधानाध्यापक उच्च प्राथमिक विद्यालय में प्रधानाध्यापक बन सकेगा। जिन अध्यापकों ने टीईटी उत्तीर्ण नहीं किया है, उनके पद सुरक्षित रखे जाएंगे। ऐसे शिक्षकों के संबंध में शिक्षा सेवा चयन आयोग की ओर से कराई गई स्पेशल टीईटी के परिणाम के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी। सात नवंबर तक का समय दिया गया था लेकिन बीच में त्योहार आदि होने से वरिष्ठता सूची तैयार करने में देरी हुई है। जहां से विवरण नहीं आए हैं, उन्हें फिर से निर्देश दिए जा रहे हैं।

तीन सूचियां, तीन आंकड़े... 10.10 लाख का अंतर, 17 नवंबर से तीन हजार बीएलओ तलाशेंगे अंतर

गोरखपुर, संवाददाता। पंचायत, नगर निकाय और विधानसभा की मतदाता सूचियों के अलग–अलग आंकड़ों से सामने आए अंतर को अब तलाशा जाएगा। इसके लिए 17 नवंबर से तीन हजार बीएलओ गांवों और शहरों में उतरेंगे। तीनों सूचियों का मिलान कर मतदाताओं की वास्तविक संख्या का पता लगाएंगे। बीएलओ गांवों और नगर निकायों में पंचायत, निकाय और विधानसभा की मतदाता सूचियों का मिलान करेंगे। इसके लिए प्रधान, पूर्व प्रधान, पार्षद और पूर्व पार्षदों, अन्य जनप्रतिनिधियों का सहयोग भी लिया जाएगा। दरअसल, पंचायत और निकाय की सूची में विधानसभा की अपेक्षा 10,10,812 मतदाता अधिक हैं। विधानसभा मतदाता सूची से बड़ी संख्या में नाम कटने का मामला मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कई बार उठा चुके हैं। इसे लेकर प्रशासन गंभीर है। अभियान के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि विधानसभा की मतदाता सूची में पंचायत और निकाय की अपेक्षा मतदाताओं की संख्या कम क्यों है।

अंतर समझने के लिए प्रक्रिया को समझना जरूरी

हालांकि, जनप्रतिनिधियों का कहना है कि इसका अंतर समझने के लिए सूची तैयार करने की प्रक्रिया को समझना जरूरी है। कौवाडील की ग्राम प्रशासक (प्रधान) रेनू शर्मा बताती हैं, गांवों में हर व्यक्ति दूसरे को जानता है। एक–एक वोट की गणना की जाती है, जो मतदाता बाहर निवास करते हैं उनसे भी दस्तावेज मंगाकर मतदाता बनवाया जाता है। जबकि विधानसभा की मतदाता सूची में बहुत रुचि रहती नहीं है। यही कारण है कि उसमें मतदाता की संख्या कम हो जाती है।

जब तक सभी की एक सूची नहीं बनेगी यह अंतर बना रहेगा

ग्राम बड़ैला के पूर्व प्रधान सत्यप्रकाश कहते हैं, जब तक सभी की एक सूची नहीं बनेगी यह अंतर रहेगा। विधानसभा क्षेत्र का दायरा बड़ा होता है, मतदाता सूची को परखने की जिम्मेदारी राजनीतिक दलों के बूथ प्रभारियों की होती है। वे ज्यादा रुचि दिखाते नहीं है। नगर निगम के नामित पार्षद आलोक सिंह विशेन का कहना है कि मतदाता सूची का सही से पुनरीक्षण न होना सबसे बड़ा कारण है। एक ही व्यक्ति का कई वार्डों में नाम है, इससे भी मतदाता सूची में संख्या बढ़ जाती है। मृतकों के नाम भी नहीं हटे हैं। जब चुनाव की घोषणा होती है तभी बीएलओ आते हैं। जैसे–तैसे काम करते हैं। सूची में नाम जुड़ते ज्यादा हैं और कटते कम हैं।

डुप्लिकेट नाम भी कटेंगे

अभियान के दौरान विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण (एसएसआर) की प्रक्रिया भी जारी रहेगी। जिन मतदाताओं के नाम दो जगह दर्ज होंगे।

नर्स को दो, सुरक्षाकर्मी को एक, डेंटल सहायक को नहीं मिली कमरा

भदोही, संवाददाता। मुख्यालय मार्ग सरपतहां स्थित सौ शैय्या अस्पताल में छह महीने से डेंटल सहायक की तैनाती है। इससे कागजों में अस्पताल की शोभा बढ़ गई, लेकिन हकीकत ये है कि छह माह बाद भी डेंटल की ओपीडी शुरू नहीं हो सकी है। मरीज दांत के दर्द से कराहते आते हैं फिर वापस चले जाते हैं। अस्पताल के ओपीडी भवन में तीन ऐसे कमरे हैं। जिस पर ताला लटका हुआ है, लेकिन सहायक को कमरा एलॉट नहीं हुआ है। अस्पताल में रोजाना औसतन 500 की ओपीडी होती है। इसमें मौसमी बीमारी, सीटी स्कैन के ज्यादातर मरीज रहते हैं। इसके अलावा 10 से 15 मरीज डेंटल के आते हैं। सुविधा न होने के कारण इन्हें वापस जिला अस्पताल जाना पड़ता है। मरीज सर्दी, जुकाम की दवा 100 बेड में लेते हैं। दांत के दर्द का दवा लेने के लिए एमसीएच या निजी लैब का रुख करना पड़ता है। निजी क्लीनिक पर 250 से 300 रुपये की दवा दी जाती है। यदि कुछ समस्या है, तो शुल्क और बढ़ जाती है। अस्पताल में छह महीने पहले डेंटल सहायक तेजस्वी कुमार त्यागी की तैनाती शासन स्तर से हुई। अस्पताल में मिठाई बांटी गई, लोग खुश हुए कि यहां दांत की ओपीडी अब शुरू हो जाएगी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका, यहां डेंटल सहायक तैनाती सिर्फ कागजों पर हुई।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।